News सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-15

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आत्मविश्वास वह शक्ति है जो आपको असंभव को संभव बना सकती है।

# सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 21 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

## मालवा की धरती के लिए ऐतिहासिक दिनः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'प्रभाष' और 'पावक' को दिया नया घर, पिंजरा खुलते दोनों ही चीतों ने बाड़े में लगा दी दौड़

# कूनो के बाद अब गांधीसागर बना दूसरा चीता अभयारण्य

गरोठ (मंदसौर)। 20 अप्रैल, रविवार का दिन मालवा की धरती के लिए ऐतिहासिक दिन के रूप मे दर्ज हो गया है। देश में पहली बार अंतरराज्यीय स्तर पर चीतों का पुनर्वास हुआ है। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से दो चीते प्रभाष और पावक रविवार दोपहर 3 बजे मंदसौर के गांधीसागर अभयारण्य में अपने नए घर पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाम 5.35 बजे समारोह पूर्वक उन्हें उनके लिए बनाए गए खुले बाड़े में छोड़ा। पिंजरा खुलते ही एक-एक करके दोनों ही चीतों ने बाड़े में दौड़ लगा दी। ये16.4 वर्ग किलोमीटर के बाड़े हैं। 24 घंटे उन पर निगरानी के लिए पूरी व्यवस्था की गई है। खाने से लेकर उनके स्वास्थ्य को लेकर भी टीम की नियुक्ति की गई है। इस तरह मंदसौर जिले का गांधी सागर अभयारण्य चीतों का नया घर बन गया है। प्रभाष और पावक की उम्र 6 साल है, ये अफ्रीका में पैदा हुए हैं। इन दोनों को दक्षिण अफ्रीका से 18 फरवरी 2023 को लाया गया था। दोनों ही सगे भाई हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज गांधी सागर अभयारण्य में प्रभास और पावक दोनों चीतों को रफ्तार भरते हुए देखकर मन आनंदित है कि हमारे मध्यप्रदेश की धरती जैव विविधता को संवर्धित करने का आदर्श केंद्र बन चुकी है। यह दृश्य हमारी सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संतुलन के प्रयासों की सफलता का प्रतीक भी है, जो मानव, प्रकृति और वन्यजीव के बीच सामंजस्य की अद्भुत मिसाल बनेगा। कूनो के बाद अब गांधीसागर प्रदेश का दूसरा चीता अभयारण्य बन गया है।

**मंदसौर और नीमच जिलों मे पर्यटन की संभावनाओं को नए पंख** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चीता प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में सबसे अधिक सफल मध्यप्रदेश में हुआ है। पुनर्वास के बाद श्योपुर के कूनो में दुनिया में सबसे अधिक चीतों का जन्म हुआ है। मालवा की भूमि पर हम चीतों का स्वागत करते हैं। चीतों के आने से मंदसौर और नीमच जिलों मे पर्यटन की संभावनाओं को पंख लग जाएंगे। राजस्थान और मध्यप्रदेश के सीमावर्ती जिलों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, उनके जीवन स्तर में भी सुधार होगा। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से अर्थव्यवस्था में भी सुधार होगा। वन्य पर्यावरण की दृष्टि से मध्यप्रदेश की धरा पर चीतों का सफलतापूर्वक पुनर्वास किया गया है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक अनिरुद्ध मारू, हरदीप सिंह डंग, पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्य नारायण जटिया, अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्नवाल, संभाग आयुक्त संजय गुप्ता और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी असीम श्रीवास्तव के साथ बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

**सीधे खुले बाड़े में इसलिए छोड़ा गया** दोनों 6 वर्षीय युवा चीते कूनो राष्ट्रीय उद्यान में खुले में ही घूम कर शिकार कर रहे थे। इसलिए इन्हें सीधे खुले बाड़े में छोड़ा गया है। यहां पर्याप्त संख्या में चीतल चिंकारा और छोटे जानवर हैं। सीसीएफ उत्तम कुमार शर्मा और डॉ. ओंकार अचल सहित 20 लोगों की टीम चीतों के साथ गांधी सागर अभयारण्य पहुंची है। यह टीम गांधी सागर में 7 दिन रुकेगी। इस दौरान वह स्थानीय स्टाफ को चीतों की देख-रेख के गुर सिखाएगी।

**एसी गाड़ी में अलग-अलग पिंजरों में लाए गए दोनों चीते** श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क से रविवार सुबह 8 बजे गांधी सागर के लिए चीतों को लेकर टीम रवाना हुई थी, जो दोपहर करीब 3 बजे गांधी सागर पहुंची। वाहन और पिंजरे को कूनो नेशनल पार्क में सैनिटाइज किया गया था। दोनों को ट्रेंकुलाइज कर पिंजरे में रखा गया था। ये वही पिंजरे हैं, जिन्हें चीतों को दक्षिण अफ्रीका से लाने के लिए तैयार किया गया था। एसी गाड़ी में दोनों को अलग-अलग पिंजरे में रखा गया था। ये चीते राजस्थान के कोटा, झालावाड़ होते हुए 8 घंटे में 360 किलोमीटर की दूरी बिना रुके तय कर गांधी सागर पहुंचे।

**8 से10 चीतों को बसाने का इंतजाम** गांधी सागर अभयारण्य में वन विभाग ने चीतों के लिए 8900 हेक्टेयर का विशेष क्षेत्र तैयार किया है। यहां 8 से 10 चीतों को बसाने की व्यवस्था की गई है। चीतों के भोजन के लिए अभयारण्य में 150 से अधिक चीतल, 80 से अधिक चिंकारा, 50 से अधिक व्हाइट बोर्ड और 50 से अधिक नीलगाय मौजूद हैं। इसके अलावा यहां पहले से ही हिरणों की अच्छी-खासी संख्या है।

अभयारण्य के 90 चीता मित्र कूनो में हो चुके ट्रेंड गांधी सागर अभयारण्य के रेंजर अंकित सोनी के मुताबिक 90 प्रशिक्षित लोगों की टीम चीतों की देखरेख करेगी। इनकी ट्रेनिंग कूनो अभयारण्य में पूरी हो चुकी है। वन विभाग ने 16 किलोमीटर में एक परिक्षेत्र बनाया है, जिसमें चीतों को सुरक्षित रखा जाएगा। पानी की विशेष व्यवस्था के लिए तालाब बनाए गए हैं। डीएफओ संजय रायखरे के मुताबिक गांधी सागर अभयारण्य मंदसौर संसदीय क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। चीतों की आमद से यहां पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

**नए अध्याय की शुरुआत** गांधी सागर अभयारण्य में चीतों का यह पुनर्वास अभियान न केवल वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक मील का पत्थर है, बल्कि मध्यप्रदेश को ग्लोबल वाइल्डलाइफ मैप पर एक महत्वपूर्ण स्थान भी दिलाता है। अब देखने वाली बात यह होगी कि कैसे प्रभास और पावक मालवा की इस नई धरती को अपना स्थायी घर बनाते हैं। इन दोनों चीतों के कूनो नेशनल पार्क से जाने के बाद यहां 24 चीते रह जाएंगे। इनमें 13 भारतीय जबकि 11 विदेशी चीते हैं। इन 24 में से 17 चीते फिलहाल कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल में दौड़ लगा रहे हैं।

# तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में 'ग्वालियर की मिलावट'.!

## सीबीआई ने दाल बाजार के तेल और घी कारोबारियों को किया तलब

ग्वालियर। देश के सबसे चर्चित तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों के चर्बीयुक्त तेल और घी मिलाने के तार ग्वालियर से जुड़ते नजर आ रहे हैं। इसी को लेकर दक्षिण भारत से सीबीआई और एसआईटी की जांच टीम ग्वालियर पहुंची है। बताया जा रहा है कि इस जांच में चार सदस्य हैं और वे सबसे पहले ग्वालियर के दाल बाजार में स्थित कारोबारियों के पास पहुंचे, जब इस बात का पता लगा तो हड़कंप मच गया। जांच एजेंसियों की चार सदस्यीय टीम ने दाल बाजार के कुछ तेल और घी कारोबारी को नोटिस देकर तलब किया है। बता दें कि सीबीआई और एसआईटी टीम दो दिन से ग्वालियर में है। कुछ व्यापारी सीबीआई की एसआईटी के बुलाने पर भी नहीं आए तो इंदरगंज थाना पुलिस की मदद से उनको थाने लाकर पूछताछ की गई है। सीबीआई के ग्वालियर आने के बाद से दाल बाजार में कई फर्म के दफ्तर तक नहीं खुले। कुछ खुले तो वहां के मालिक लापता रहे।

तिरुपति बालाजी प्रसाद कांड में सीबीआई दक्षिण से लेकर उत्तर भारत तक कार्रवाई कर रही है। पता लगा है कि सीबीआई सीपी ट्रेडिंग कंपनी मैना वाली गली के नितिन अग्रवाल उर्फ मोनू, व्यापारी मोहित अग्रवाल, अजीत कुमार राकेश कुमार के वारंट लेकर आई है। इन सभी कारोबारियों का घी और तेल का व्यवसाय है। दक्षिण भारत से आई सीबीआई टीम ने पहले दिन कुछ व्यापारियों को नोटिस देकर तलब किया था, लेकिन व्यापारी डर के चलते नहीं पहुंचे। अपने प्रतिष्ठान से गायब भी हो गए। इस पर सीबीआई ने ग्वालियर के इंदरगंज सर्कल के सीएसपी रोबिन जैन और कोतवाली थाना प्रभारी मोहिनी मिश्रा से संपर्क कर मदद के लिए कहा। इस पर इंदरगंज थाना और कोतवाली थाना पुलिस की मदद से इन व्यापारियों को सीबीआई के सामने पेश किया गया है। जानकारी के अनुसार सीबीआई टीम ग्वालियर में अभी दो से तीन दिन और छानबीन करेगी। कुछ लोगों को पूछताछ के लिए वह अपने साथ भी ले जा सकती है।

# गुना में शोभायात्रा पर पथराव की घटना के बाद एसपी को हटाया

## अंकित सोनी को सौंपी कमान

भोपाल। गुना जिले में हनुमान जयंती के अवसर पर 12 अप्रैल को निकाली गई शोभायात्रा के दौरान दो समुदायों के बीच विवाद के चलते तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। इस दौरान पत्थरबाजी की घटना भी सामने आई, जिससे इलाके का माहौल बिगड़ गया। इस घटना के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्कालीन पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा को उनके पद से हटा दिया है। उन्हें भोपाल मुख्यालय में अटैच कर दिया गया है। उनकी जगह अब अंकित सोनी को गुना का नया एसपी नियुक्त किया गया है। मध्यप्रदेश गृह विभाग से जारी आदेश के मुताबिक, गुना पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा को पुलिस मुख्यालय

(पीएचक्यू) में पदस्थ किया गया है। बता दें 12 अप्रैल को हनुमान जयंती के मौके पर गुना के शाह के कोल्हूपुरा क्षेत्र से एक शोभायात्रा निकाली गई थी, जो रपटा और हाट रोड की ओर जा रही थी। जब यह जुलूस कर्नलगंज की एक मस्जिद के सामने पहुंचा, तभी आगे बढ़ने को लेकर एक स्थानीय पार्षद की किसी व्यक्ति से कहासुनी हो गई। इसी दौरान अचानक पत्थरबाजी शुरू हो गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, इस शोभायात्रा के लिए प्रशासन से पूर्व में कोई अनुमति नहीं ली गई थी। हालात बिगड़ते देख पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर किया। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने हनुमान चौराहे पर पहुंचकर चक्काजाम कर दिया और सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारी, एसपी संजीव कुमार सिन्हा और कलेक्टर किशोर कुमार कान्याल स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और मोर्चा संभालते हुए प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। इसके बाद पुलिस ने समझाइश देकर जाम हटवाया और शांति बहाली के प्रयास किए।

# अब संगीत और गेम्स से मानसिक रोगियों का इलाज, बिजली के झटके बंद

**इंदौर। इंदौर के बाणगंगा स्थित मानसिक चिकित्सालय में अब मानसिक रोगियों का इलाज पारंपरिक तरीकों की जगह आधुनिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर की चिकित्सा पद्धति से किया जा रहा है। यहां विद्युत झटकों की बजाय अब इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स के माध्यम से इलाज किया जाता है। इसके साथ ही म्यूजिक थेरेपी, डांस, गायन और रचनात्मक गतिविधियों के जरिये मरीजों का मानसिक उपचार किया जा रहा है। गेम्स खिलाकर भी रोगियों की मानसिक स्थिति का आकलन किया जाता है। इन उन्नत तकनीकों और पद्धतियों की वजह से यह संस्थान एक मॉडल मानसिक चिकित्सालय के रूप में उभर कर सामने आया है, जहां अत्याधुनिक मशीनें भी उपलब्ध हैं।**

**मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद यंघोरिया ने मानसिक चिकित्सालय का दौरा किया और यहां की**

**सुविधाओं का जायजा लिया। प्रभारी डॉक्टर वी.एस. पाल ने जानकारी दी कि पहले गंभीर मानसिक रोगियों का इलाज बिजली के झटकों से किया जाता था, जिसमें मरीज को कुर्सी से बांधकर इलाज किया जाता था। लेकिन अब इस पुरानी पद्धति को छोड़ते हुए इलेक्ट्रो-कन्वल्सिव थेरेपी (ईसीटी) की आधुनिक तकनीक अपनाई गई है, जो विद्युत चुम्बकीय तरंगों के माध्यम से होती है और अधिक सुरक्षित व प्रभावी मानी जाती है।**

**टेली मानस सेवा से चौबीसों घंटे मुफ्त परामर्श मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के लिए इंदौर के बाणगंगा स्थित मानसिक चिकित्सालय में टेली मानस सेवा भी उपलब्ध है, जो 24 घंटे निशुल्क परामर्श प्रदान करती है। मरीज या उनके परिजन टोल फ्री नंबर 14416 या 1800-891-4416 पर कॉल कर इस सेवा का लाभ ले सकते हैं। अस्पताल के ऑक्यूपेशनल थेरेपी कक्ष में मरीजों को कागज से फूल, दीये और ग्रीटिंग कार्ड जैसे रचनात्मक आइटम बनाने को प्रोत्साहित किया जाता है। इन गतिविधियों से रोगियों में रचनात्मकता के साथ-साथ मानसिक सुधार भी तेजी से होता है।**

**बॉडी लैंग्वेज और चेहरे के भावों से समझी जाती है मानसिक स्थिति चिकित्सालय में म्यूजिक थैरेपी के माध्यम से भी रोगियों का इलाज किया जा रहा है। गायन और नृत्य के दौरान मरीजों की बॉडी लैंग्वेज और चेहरे के भावों से उनकी मानसिक स्थिति को समझा जाता है। डॉक्टर पाल के अनुसार, म्यूजिक थैरेपी के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इसके साथ ही, स्टाफ की निगरानी में मरीजों को विभिन्न गेम्स भी खिलाए जाते हैं, जिससे उनकी मानसिक एकाग्रता और स्थिरता में सुधार होता है। ये नवाचार मरीजों को न सिर्फ उपचार देते हैं, बल्कि उन्हें जीवन की ओर भी वापस लाते हैं।**

# आईटी कॉन्क्लेव में 55 जिलों की नदियों, तालाबों, बांधों का डेटाबेस प्रदर्शित होगा

**इंदौर।** इंदौर में 27 अप्रैल को आईटी कॉन्क्लेव का आयोजन होगा। इस कॉन्क्लेव में मप्र के सभी 55 जिलों की नदियों, तालाबों, बांधों सहित तमाम जल संरचनाओं का डिजिटल डेटाबेस प्रदर्शित किया जाएगा। इस कॉन्क्लेव की तैयारियों की समीक्षा और आने वाले समय में होने वाले जनकल्याण कार्यक्रमों और निर्माण कार्यों के लोकार्पण को लेकर सीएम डॉ मोहन यादव ने सीएम हाउस में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीएम ने कहा कि प्रदेश में जल संरचनाओं में जल भराव की स्थिति के अनुसार दो अलग ऋतुओं (प्री और पोस्ट मानसून) की सैटेलाइट के माध्यम से डिजिटल मैपिंग करना संभव हुआ है। नदियों और पुरानी जल संरचनाओं का वर्गीकरण भी आसान हुआ है। इससे जल संरचनाओं के नाम, उनकी जियो टैगिंग करके लोकेशन सुनिश्चित करने का काम भी हो रहा है। निश्चित ही यह सराहनीय प्रयास है। इंदौर में

27 अप्रैल को कॉन्क्लेव के साथ राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश में कई काम हो रहे हैं।

सीएम ने कहा कि विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए उन्हें विभिन्न स्पधाओं से जोड़ा जाए। उज्जैन स्थित साइंस सिटी, वेधशाला और प्लेनेटोरियम का भ्रमण करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाए। बैठक में अफसरों ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने प्रदेश के सात सौ से ज्यादा विद्यार्थियों को नई दिल्ली और चंडीगढ़ के प्रमुख संस्थानों के भ्रमण के लिए वंदे भारत ट्रेन से भेजने की व्यवस्था की है।

**भोपाल गौरव दिवस पर होगा ड्रोन शो**

सीएम ने कहा कि भोपाल गौरव दिवस पर ड्रोन शो जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाएं। मालूम हो कि हर साल एक जून को भोपाल गौरव दिवस पर राजधानी में कई बड़े आयोजन होते हैं।

**हेल्थ कैंप लगाने के निर्देश**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से जिलों में हेल्थ कैंप आयोजित करने के निर्देश भी दिए। इन शिविरों के साथ दिव्यांगजनों के हित में हेल्थ चैकअप और उनके लिए उपयोगी उपकरणों के वितरण का कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में मुरैना में आयोजित हेल्थ कैंप एक आदर्श उदाहरण है। जहां बड़ी संख्या में नागरिक लाभान्वित हुए।

# आईआईटी इंदौर में पेड़ों की कटाई पर बढ़ा विवाद

## प्रबंधन और प्रोफेसर आमने-सामने

**इंदौर।** इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), इंदौर में हरे-भरे पेड़ों की कटाई को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। परिसर में पाथ-वे निर्माण के लिए हो रही पेड़ों की छंटाई का विरोध करते हुए संस्थान के प्रोफेसरों ने 'सेव ट्री कैंपेन' की शुरुआत कर दी है। जब प्रोफेसरों का प्रतिनिधिमंडल डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी से मिला और उन्होंने उनकी बात सुनने से इनकार कर दिया, तो मामला और गंभीर हो गया। इसके बाद नाराज प्रोफेसरों ने आईआईटी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन को थोकबंद ई-मेल भेजकर इस पर शिकायत दर्ज करवाई। विवाद गहराने के कारण फिलहाल पाथ-वे का निर्माण कार्य रोक दिया गया है।

आईआईटी इंदौर वह एकमात्र संस्थान है जिसे पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 'कैम्पा' (राष्ट्रीय प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण) के तहत 'नगर वन परियोजना' के लिए चुना है। परिसर में हरियाली सहेजने के उद्देश्य से वन वाटिका की योजना बनाई गई है, जिसके लिए 1.98 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। लेकिन विडंबना यह है कि इसी संस्थान के एक प्रोजेक्ट के कारण अब हरियाली खतरे में पड़ गई है। पाथ-वे निर्माण के लिए बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई की योजना है, जिससे विरोध तेज हो गया है। छंटाई की शुरुआत होते ही फैकल्टी में उठा विरोध का स्वर जैसे ही पेड़ों की छंटाई का काम शुरू हुआ, फैकल्टी फोरम के सदस्य सक्रिय हो गए और उन्होंने इसका कड़ा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने सबसे पहले डायरेक्टर से मिलने का प्रयास किया, लेकिन जब उनकी बात नहीं सुनी गई, तो यह नाराजगी और भी बढ़ गई। इसके बाद सभी सदस्यों ने एकजुट होकर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन को ई-मेल भेजे और पूरे मामले की शिकायत की। यह स्थिति अब पूरे आईआईटी कैंपस में चर्चा का विषय बन गई है और पर्यावरण संरक्षण की भावना के साथ फैकल्टी सदस्य एकजुट हो रहे हैं।

**प्रबंधन की सफाई- केवल आवश्यक छंटाई की गई**

आईआईटी प्रशासन ने इस विवाद पर सफाई देते हुए कहा है कि पाथ-वे का निर्माण छात्रावासों, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और मेस के बीच हर मौसम में सुविधाजनक आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है। प्रबंधन का दावा है कि किसी भी पेड़ को न तो उखाड़ा गया है और न ही पूरी तरह हटाया गया है। जहां आवश्यक समझा गया, वहीं केवल थोड़ी बहुत छंटाई की गई है। प्रबंधन ने यह भी आश्वासन दिया कि हरियाली को बचाने के लिए सभी एहतियात बरते जा रहे हैं।

# अस्पतालों में बढ़ रहे हीट स्ट्रोक के मरीज

## स्वास्थ्य विभाग ने सचेत रहने को कहा

**इंदौर।** इंदौर में दिनभर की तेज धूप और उमस ने लोगों को परेशान कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दो से तीन दिन भी तेज गर्मी का दौर जारी रहेगा। गुरुवार को दिन का अधिकतम तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक था।शनिवार को दिनभर झुलसाने वाली गर्मी रही, और रात को भी गर्म हवाओं ने नींद में खलल डाला। शनिवार को अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक था। रविवार को भी सुबह से तेज धूप और गर्म हवाओं का असर नजर आया। मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि इंदौर और आसपास के इलाकों में तापमान अगले दो से तीन दिन और बढ़ने की संभावना है, जिससे लू के हालात बने रह सकते हैं। रविवार को पारा अपेक्षाकृत और गिरा और 39.4 पर आकर ठहर गया। वहीं रात का पारा 23.6 तक ही गया।

**स्वास्थ्य विभाग की चेतावनी**

स्वास्थ्य विभाग ने लू से बचने के लिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीएस सेतिया ने बताया कि अत्यधिक गर्मी में लू लगना गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। विशेष रूप से बुजुर्ग, बच्चे, खिलाड़ी और धूप में काम करने वाले मजदूर सबसे अधिक खतरे में रहते हैं। गर्म, लाल व शुष्क त्वचा, सिरदर्द, थकावट, चक्कर आना, उल्टी, बेहोशी और आंखों की पुतलियों का सिकुड़ना इसके प्रमुख लक्षण हैं। डॉ. बीएस सेतिया ने बताया कि गर्मी और लू से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और खाली पेट न रहें। शराब व कैफीन युक्त पेय पदार्थों से बचें, ठंडे पानी से स्नान करें और सिर को ढककर रखें। हल्के रंग के ढीले-ढाले और पूरी बांह के कपड़े पहनें। बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ें और दोपहर 12 से 4 बजे तक बाहर जाने से बचें। नंगे पांव धूप में न निकलें और भारी काम करने से परहेज करें। यदि बाहर निकलना आवश्यक हो, तो छाता व धूप का चश्मा जरूर उपयोग करें। धूप में जाने से पहले दो गिलास पानी पिएं। बुखार या लू लगने पर नजदीकी अस्पताल में संपर्क करें और ओआरएस घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी और फलों के रस का सेवन करें। इन उपायों से लू से बचाव संभव है।

# प्रदेशभर में नाटक के माध्यम से सुनाई जा रही देवी अहिल्या की गाथा

**इंदौर।** देवी अहिल्या बाई की 300 वीं जयंती 31 मई को मनाई जाएगी। प्रदेश सरकार ने इसे बड़े पैमाने पर बनाने का फैसला लिया है। इंदौर और उज्जैन में दो बड़े आयोजन होना है। जिसमें देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मूर्मू शामिल होंगी। इसके अलावा देश और प्रदेश के कई शहरों में देवी अहिल्या पर आधारित नाटकों का मंचन भी कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। विश्व मंगल सभा द्वारा प्रदेश के 15 शहरों में देवी अहिल्या के नाटक का मंचन हो रहा है। महेश्वर में यह नाटक काफी सफल रहा और दर्शक नाटक को देखकर भाव विभोर हो गए थे।

नाटक में नागपुर के कलाकारों ने देवी अहिल्या के काल को बखूबी मंच पर उतारा। विश्व मंगल सभा की सूरज डामोर व नलिनी चौखंडे ने बताया कि अभी तक नाटक के माध्यम से 60 हजार से ज्यादा लोग देवी अहिल्या बाई के जीवन को जान चुके है। उन्होंने किस तरह सेवा कार्य किए। कितने सफल तरीके से शासन चलाया और दुश्मनों को भी कूटनीतिक तरीके से हराया। इस सब बातों उल्लेख किया गया है।

**महेश्वर में बनेगा हैंडलूम विलेज**

महेश्वर में अहिल्या लोक बनाने की योजना सरकार ने तैयार की है। उज्जैन में सिंहस्थ मेले को लेकर आयोजित बैठक में अहिल्या लोक पर भी चर्चा हुई। अफसरों को कहा गया है कि महेश्वर के अलावा मंडलेश्वर व आसपास के गांवों में पर्यटन की संभावनाएं है। महेश्वर में किले के अलावा देवी अहिल्या बाई के जीवन पर आधारित एक संग्रहालय बनाया जाए। इसके अलावा चंदेरी की तरह महेश्वर में भी हैंडलूम विलेज बनाने की कार्ययोजना तैयार की गई है,क्योंकि महेश्वर की माहेश्वरी साड़ी भी देशभर में प्रसिद्ध है।

# स्कीम 172 में इंदौर को मिलेगा एक और कन्वेंशन सेंटर

**इंदौर।** इंदौर में एक और कन्वेंशन सेंटर बनने का रास्ता साफ हो गया है। इसे उच्च स्तरीय कमेटी ने मंजूरी दे दी है। यह कन्वेंशन सेंटर स्कीम नंबर 172 में 300 करोड़ की लागत से बनेगा। यह प्रदेश का सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर माना जा रहा है। इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने सीएम के सामने इसकी मांग की थी। इस जमीन पर वन विभाग ने दावा जताया था। इस वजह से प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलने में देरी हुई। तकरीबन डेढ़ साल पहले जनप्रतिनिधियों ने देपालपुर जंक्शन की जगह तय कर दी थी, लेकिन उसका लैंडयूज समस्या बन गया था। उस जमीन पर राजस्व और वन विभाग ने भी अपना-अपना दावा जताया था। अपर मुख्य सचिव ने जमीन का विवाद खत्म कर दिया था, लेकिन लैंडयूज कन्वेंशन सेंटर, होटल के लिए नहीं था। इस पर प्राधिकरण ने लैंडयूज बदलने का प्रस्ताव बनाकर नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग को भेजा था। मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि कन्वेंशन सेंटर, होटल व अन्य उपयोग के लिए लैंडयूज बदल दिया गया है। सांसद शंकर लालवानी ने शनिवार को बताया कि इस संबंध में सरकार की ओर से सूचना मिल गई है।

इस कन्वेंशन सेंटर के निर्माण से इंदौर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कॉन्फ्रेंस, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और व्यवसायिक आयोजनों के लिए एक प्रमुख मंच मिलेगा। इससे न केवल शहर की प्रतिष्ठा बढ़ेगी, बल्कि होटल, ट्रैवल और लोकल बिजनेस सेक्टर को भी प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

यह कन्वेंशन सेंटर इंदौर विकास प्राधिकरण बनाएगा। सुपर कॉरिडोर पर स्कीम 172 में 10 हेक्टेयर जमीन पर कन्वेंशन सेंटर बनेगा। भविष्य के लिए 7 हेक्टेयर जगह और आरक्षित की जाएगी। कुल 17 हेक्टेयर जमीन को रिजर्व रखा जाएगा। स्कीम 155 में सालों से खाली पड़े फ्लैट फ्री होल्ड नीति पर बेचे जाएंगे। यानी खरीदने के साथ ही व्यक्ति को मालिकाना हक मिल जाएगा। लीज नवीनीकरण के झंझट से मुक्ति मिलेगी।

# डंपर के पहिए में फंसे दंपति, लोगों ने किया रेस्क्यू, पहुंचाया अस्पताल

**इंदौर।** इंदौर के जिंसी चौराहे पर रविवार शाम को डंपर ने एक्टिवा सवार दंपति को रौंद दिया। दोनों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती किया गया है। दोनों घायल डंपर के पहिए में दबे हुए थे। उन्हें बचाने के लिए क्षेत्र के रहवासी आगे आए। 60 से ज्यादा रहवासियों ने डंपर को उठाया और पहिये के नीचे से घायलों को बाहर निकाला। लेकिन, दंपति की हालत गंभीर बनी हुई है। घनी बसाहट वाले क्षेत्र में निगम के डंपर की आवाजाही से लोगों में नाराजगी भी है। उनका कहना है पहले भी यहां हादसे हो चुके हैं। घटना रविवार दोपहर की है। एक्टिवा पर सवार दंपति सुभाष चौक से रामबाग की तरफ जा रहे थे। तभी पीछे से आ रहे डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। दोनों दंपति डंपर के पहिये में एक्टिवा सहित फंस गए। हादसे के बाद डंपर को लोगों ने घेर लिया। पिटाई के डर से डंपर चालक भाग गया। लोगों ने देखा कि पहिए में फंसे दंपति जिंदा है, लेकिन क्रेन बुलाने तक उनकी हालत बिगड़ सकती है। इसके बाद मौजूद रहवासियों ने तय किया कि वे डंपर को एक तरफ से उठाकर घायलों को पहिए के नीचे से निकालेंगे। अन्य रहवासी भी जुट गए और डंपर को एक तरफ से दो फीट तक उठाने में सफल रहे। कुछ लोगों ने घायल दंपति को निकाला। तब तक वहां एक वाहन को रोका लिया गया और घायलों को पास के अस्पताल में पहुंचाया।

# रेती मंडी चौराहे पर बन रहे ओवरब्रिज का नाम पं. मदनमोहन मालवीय रखें

**इंदौर।** श्री श्रीगौड ब्राह्मण समाज ने रेती मंडी चौराहा पर बन रहे ओवरब्रिज का नाम हिंदू, हिंदी और हिन्दुस्तान को पहचान देने वाले भारत रत्न महामना पं. मदनमोहन मालवीय के नाम से करने की मांग की है। इस मुद्दे को लेकर श्री श्रीगौड ब्राह्मण समाज के साथ सर्व ब्राह्मण समाज और सर्व समाज की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन और सरकार से अपील करते हुए ओवरब्रिज का नाम पं.

मदनमोहन मालवीय के नाम से करने की मांग की है। महामना पं.मदनमोहन मालवीय ओवरब्रिज संघर्ष समिति के पं. आदित्य उपाध्याय और पं. मयंक व्यास ने बताया कि पूर्व में भी श्रीगौड ब्राह्मण समाज मुख्यमंत्री, महापौर, विधायक, पार्षद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन भी दे चुका है। समाजजन रोटरी और ओवरब्रिज को लेकर जनप्रतिनिधियों से भी मिल चुके हैं। सर्वसमाज ने मांग की है कि पंडित महामना मालवीय चौराहा भी इसी स्थान पर है, तो ब्रिज का नाम भी महामना के नाम से ही किया जाना चाहिए।

## व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी का कॉन्क्लेव 24 व 25 अप्रैल को

**इंदौर।** भारत के गेहूं उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के उद्देश्य से व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (डब्ल्यूपीपीएस) द्वारा आयोजित डब्ल्यूपीपीएस सीईओ कॉन्क्लेव 24 व 25 अप्रैल को मैरियट होटल में होगी। 'सतत विकास और बाजार नेतृत्व के लिए सहयोग' विषय पर आयोजित इस कॉन्क्लेव में 400 से अधिक उद्योग प्रमुख, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, नीति निमार्ताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और प्रोफेशनल्स शामिल होंगे। इस दौरान प्रोडक्शन से लेकर एक्सपोर्ट, सप्लाय चेन को सशक्त करने, उद्योग-नीति समन्वय को बढ़ावा देने और वैश्विक व्यापार के नए अवसरों पर विचार-विमर्श होगा।

## अहिंसा,शाकाहार,पर्यावरण संरक्षण एवं जल संवर्द्धन माइक्रो मिट्टी मैराथन 2025

# पुलिस कमिश्नर बोले- अनुशासन से ही जीवन में सफलता हासिल होती है

**इंदौर।** अ. भा. जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप्स फेडरेशन (रजि) द्वारा आयोजित अहिंसा,शाकाहार,पर्यावरण संरक्षण एवं जल संवर्द्धन माइक्रो मिट्टी मैराथन 2025 के विराट आयोजन के शुभारंभ पर इंदौर पुलिस आयुक्त संतोष सिंह ने कहा कि अनुशासित समाज ही विकास के साथ लक्ष्य को प्राप्त करता है।

इस प्रसंग पर पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने कहा कि अनुशासन से ही सफलता अर्जित होती है आपकी फेडरेशन इस तरह के आयोजन करती है जिससे जन मानस में जागृति आती है और हम हमारे दायित्वों के प्रति सजग भी रहते है। यह सिर्फ दौड़ नहीं बल्कि देश के भविष्य निर्माण की दिशा में सार्थक पहल भी है।

फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिनेश्वर जैन जो समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते रहते है और जन मानस की भावनाओं के अनुरूप कार्य करते है उन्हें बधाई।

अ.भा.जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप्स फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिनेश्वर जैन, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र जैन,प्रकाश भटेवरा,पियूष जैन,राजेंद्र जैन,संजय नाहर,नरेंद्र संचेती,ने अतिथियों का प्लांटर भेट कर स्वागत किया। इस अवसर पर माइक्रो मिट्टी के फाऊंडर मनोज धनोतिया ने अहिंसा शाकाहार एवं पर्यावरण संरक्षण मैराथन पर कहा की यह जन जागृति की पहल है, आज का आयोजन सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है,यह एक विचार, एक संस्कार और एक सामूहिक संकल्प का प्रतीक है।

आप सभी की मेहनत, अनुशासन और सेवा-भावना ने इस आयोजन को सार्थक ही नहीं, बल्कि अविस्मरणीय बना दिया। हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी को जिस निष्ठा से निभाया गया, वह न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि यह दिखाता है कि जब समाज एकजुट होता है, तो वह हर लक्ष्य को संभव बना सकता है।

आपके समय के लिए, आपके परिश्रम के लिए, और उस भावना के लिए जिससे यह आयोजन जीवंत हुआ। आप सभी के साथ मिलकर कार्य करना मेरे लिए गौरव की बात रही। इसी ऊर्जा और एकजुटता से हम 'इंदौर से भारत तक' की इस यात्रा को और भी दूर तक ले जाएंगे।

मैराथन का संयोजन फेडरेशन के स्पोर्ट्स कमेटी के राष्ट्रीय चेयरमैन पंकज जैन संयोजक सी.ए.नरेंद्र भंडारी, रितेश कटकानी, भरत शाह अखिल चौधरी रुचिल डोसी विवेक जैन,धवल जैन आदि ने किया। इस मैराथन में सहयोगी मनोज धनोतिया माइक्रो मिट्टी के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जिनेश्वर जैन ने शुभ भाव व्यक्त किए। जिन्होंने अहिंसा शाकाहार मैराथन का समर्थन कर जन मानस को इसमें सहभागिता के लिए प्रेरित किया। मैराथन का शुभारंभ दीपक जैन टीनू,कैलाश नाहर,कांति लाल बम, वैभव बाघमार,अजित ललवानी, आदि ने पचरंगा ध्वज दिखाकर मैराथन को आगे बढ़ाया। मैराथन में लगभग 2800 प्रतिभागियों ने 2 किमी, 3.5 किमी, एवम् 5 किमी की मैराथन पूर्ण की। सभी प्रतिभागियों को फेडरेशन द्वारा टी शर्ट और मैडल प्रदान किए गए। संचालन राष्ट्रीय महासचिव वीरेंद्र नाहर,किरण सिरोलिया, अरिहंत जैन ने किया।

## ओबीसी मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बोला हमला

# जीतू पटवारी बोले- मध्यप्रदेश सरकार ओबीसी को दे रही धोखा

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल। मध्यप्रदेश में 27% ओबीसी आरक्षण मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार पर जमकर हमला बोला है। पटवारी ने ओबीसी महासभा की राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य धर्मेंद्र कुशवाहा और सुप्रीम कोर्ट के वकील वरुण ठाकुर के साथ रविवार को पीसीसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सरकार पर जमकर हमला बोला। पटवारी ने कहा कि हमारे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की 15 महीने की सरकार में हमने ओबीसी आरक्षण 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया था। मार्च 2019 में 27 प्रतिशत आरक्षण के लिए अध्यादेश लेकर आए। फिर भाजपा, आरएसएस और भाजपा समर्थित आरक्षण विरोधी लोगों ने इसको रोकने के लिए एक एमबीबीएस की छात्रा (जो पीजी कर रही थी) से कोर्ट में पिटीशन लगवाई और अध्यादेश पर रोक लगवा दी।

पटवारी ने कहा कि कमलनाथ सरकार ही दो महीने बाद कानून लेकर आई कि ओबीसी आरक्षण 27% होना चाहिए। यानि कांग्रेस पार्टी ने सरकार में रहते हुए विधायिका से 27% आरक्षण लागू कराया, लेकिन जब कार्यपालिका को उस कानून का पालन कराना था उसी दौरान हमारी सरकार चली गई। उसके बाद ओबीसी को 27% आरक्षण के सारे विरोधी एकजुट हो गए।

**सरकार बना रही कोर्ट का बहाना**

जीतू पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27% आरक्षण देने की बजाय सरकार लगातार उन्हें धोखा दे रही है। भाजपा सरकार ने कोर्ट का बहाना बनाकर इस कानून पर अमल नहीं किया। जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार ने कुछ नौकरियों में तो 27% आरक्षण दिया, लेकिन कई भर्ती प्रक्रियाओं में फिर से 14त्न ही लागू किया। यानी जब चुनाव आता है, तब भाजपा सरकार आरक्षण लागू कर देती है और बाद में उसे रोक देती है। यह सिर्फ दिखावा है।

**सरकार के इशारे पर ओबीसी आरक्षण को उलझाया**

पटवारी ने मप्र के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह पर आरोप लगाया कि उन्होंने सरकार के इशारे पर कोर्ट में मामले को उलझाया और करोड़ों रुपए फीस लेकर ओबीसी वर्ग के हक को रोका है। जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ओबीसी आरक्षण पर किसी भी तरह की कानूनी रोक नहीं है, तब भी सरकार बहाना बनाकर मामले को टाल रही है।

**महाधिवक्ता को करोड़ों रुपए का भुगतान**

पटवारी ने कहा मप्र के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह को नर्सिंग घोटाले के मामले में करोड़ों रुपए का भुगतान किया गया है। प्रशांत सिंह के खिलाफ हम लोकायुक्त में शिकायत करेंगे। भाजपा सरकार ने कार्यपालिका और विधायिका के पास अधिकार होते हुए भी 27त्न आरक्षण लागू नहीं किया, जिससे संविधान की मूल भावना और न्यायपालिका के निदेशों का उल्लंघन हो रहा है।

**हर जाति की सही भागीदारी तय हो सके**

जीतू पटवारी ने कहा कि जातिगत जनगणना होना बेहद जरूरी है ताकि हर जाति की सही भागीदारी तय हो सके। जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी, यह सामाजिक न्याय की नींव है। उन्होंने बताया कि 20 से ज्यादा युवाओं ने आत्महत्या कर ली क्योंकि उनकी नियुक्तियां वर्षों से रुकी हुई हैं। यह सिर्फ नीति नहीं, बल्कि पाप है। सरकार को शर्म आनी चाहिए। पटवारी ने कहा कि यदि सरकार 27त्न आरक्षण को तुरंत लागू नहीं करती, तो ओबीसी महासभा पूरे प्रदेश में जन-जागरण अभियान चलाएगी। 27त्न ओबीसी आरक्षण को तुरंत लागू किया जाए। जातिगत जनगणना मध्यप्रदेश में जल्द से जल्द कराई जाए। कोर्ट के नाम पर ओबीसी वर्ग को गुमराह करना बंद हो। जनता के पैसों से वकीलों को भारी-भरकम फीस देकर आरक्षण रोकने का षड्यंत्र बंद हो। नियुक्ति के रुके हुए मामलों को तत्काल हल किया जाए।

# नाबालिग के साथ बर्बरता करने वाले पांच आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल। शहर के गौतम नगर में एक नाबालिग लड़के के साथ बर्बरता हुई। कुछ युवकों ने उसे निर्वस्त्र करके चप्पलों से पीटा। आरोपियों ने उसे 'अरबाज भाई हमारे बाप हैं' बोलने पर मजबूर किया। बताया जा रहा है कि यह घटना पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए की गई। आरोपियों ने इस पिटाई का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली थी वीडियो में कुछ युवक नाबालिग को चप्पल, जूते और थप्पड़ मारते हुए दिख रहे हैं। मामले में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने नाबालिग को निर्वस्त्र कर उसका वीडियो बनाया और फिर उसी वीडियो को वायरल करते हुए धमकी दी थी कि अगर एफआईआर की गई, तो अंजाम भुगतना पड़ेगा। यह पूरा मामला जेल में बंद आरोपी अरबाज और पीड़ित के बीच चली आ रही पुरानी रंजिश से जुड़ा हुआ है। दरअसल, नाबालिग फरियादी की जेल में बंद कैदी नदीम उर्फ बच्चा से मुलाकात को लेकर अरबाज नाराज था। जेल से रिहा होते ही अरबाज ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

**इन आरोपियों को किया गिरफ्तार**

- अरहम उर्फ अजीम (21), निवासी ईंटखेड़ी, भोपाल
- शान उर्फ उमैर उर्फ डिसेंट (18), निवासी शाहजहानाबाद, भोपाल
- शानू उर्फ आशिम (40), निवासी कोकता, बिलखिरिया, भोपाल
- मोहम्मद अल्ताफ (23), निवासी ऐशबाग, भोपाल
- अरबाज शेख (22), निवासी जहांगीराबाद, भोपाल (पूर्व से ही जेल में निरुद्ध)

**हाथ जोड़ने के बाद भी पीटते रहे**

पुलिस जांच में पता चला है कि कुछ समय पहले जेल के बाहर शानू कोकता के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की थी।

यह मारपीट उसी का बदला लेने के लिए की गई थी। नाबालिग लड़का आरोपियों के सामने हाथ जोड़ता रहा, लेकिन उन्होंने उसकी एक नहीं सुनी। आरोपियों ने उससे उठक-बैठक भी लगवाई। वे उसे लगातार पीटते रहे।

हिम्मत जुटाकर थाने में की शिकायत डर के मारे लड़का पहले शांत रहा, लेकिन जब वीडियो वायरल हुआ तो उसने हिम्मत जुटाकर गौतम नगर थाने में शिकायत की। पुलिस ने मामला गंभीर देखते हुए जीरो पर केस दर्ज किया और जांच के लिए केस एमपी नगर थाने भेज दिया गया। पीड़ित ने साफ कहा था कि अगर उसे कुछ होता है तो उसके लिए ये चार आरोपी ही जिम्मेदार होंगे।

**हैवानियत करने वालों पर होगी कार्रवाई**

एसीपी का कहना है कि इस तरह की हैवानियत करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और इन पर जल्द ही सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित लड़के का कहना था कि उसे पहले एक कैफे में बुलाया गया था।वहां से उसे अरबाज, शानू कोकता, अल्ताफ बांडीया और एक अन्य साथी शरीक ने मिलकर अगवा किया। लड़के ने बताया कि उससे जबरदस्ती 'अरबाज मेरा बाप है' कहलवाया गया और बार-बार बेल्ट व चप्पल से मारा गया। वीडियो कॉल के जरिए एक आरोपी ने दूसरे को लाइव मारपीट भी दिखाई। यह सब करीब 22 मार्च की रात को हुआ था।

# वाहन चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मी ने महिला से की मारपीट

## पुलिसवालों के साथ शिकायतकर्ता पर भी केस दर्ज

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल। राजधानी भोपाल में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिसवाले द्वारा एक महिला से अभद्रता करने का मामला सामने आया है। महिला की शिकायत पर पुलिसवालों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वहीं, शिकायतकर्ता महिला पर भी केस दर्ज किया गया है। भोपाल में वाहन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों पर दुर्व्यवहार और मारपीट का आरोप लगा है। महिला की शिकायत पर दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि एक हेड कांस्टेबल ने महिला के खिलाफ जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। बताया कि घटना शुक्रवार को अवधपुरी इलाके में हुई। अधिकारी ने बताया कि महिला ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि वह दोपहिया वाहन से बाजार जा रही थी। तभी उसे अवधपुरी थाने के पास वाहन जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान हेड कांस्टेबल अतुल चौकसे ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया, जबकि उसका साथी जितेंद्र खड़ा होकर देख रहा था। महिला थाने की प्रभारी अंजना दुबे ने बताया कि अवधपुरी थाने में महिला की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) श्रद्धा तिवारी ने पीटीआई को बताया कि मामले की जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। महिला की मेडिकल जांच में चोट के निशान पाए गए हैं। अगर पुलिसकर्मी दोषी पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि चौकसे की शिकायत पर महिला के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। उसने आरोप लगाया है कि हेलमेट न पहनने पर रोके जाने पर उसने झगड़ा किया। अधिकारी ने चौकसे की शिकायत का हवाला देते हुए बताया कि जब एक पुलिसकर्मी ने घटना का वीडियो बनाना शुरू किया तो उसने हंगामा कर दिया।

# साडा ग्वालियर की खाली जमीन पर बन सकता है केंद्र का टेलीकॉम पार्क

**भोपाल।** जल्द ही केंद्र सरकार का टेलीकॉम पार्क प्रोजेक्ट साडा ग्वालियर क्षेत्र में आ सकता है। इसी हफ्ते चीफ सेक्रेटरी की अध्यक्षता में ग्वालियर जिला प्रशासन और एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमपीआईडीसी) के बीच इसको लेकर बैठक हुई है। जल्द नगरीय विकास एवं आवास के एसीएस संजय शुक्ला ग्वालियर का दौरा कर सकते हैं।

साडा प्रोजेक्ट 30 हजार हेक्टेयर के क्षेत्र के साथ 1992 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के एक्सटेंशन के रूप में शुरू किया गया था। उद्देश्य था कि दिल्ली - एनसीआर से एक बड़ी कामकाजी जनसंख्या को यहां शिफ्ट किया जाए पर यह क्षेत्र विकसित नहीं हो सका। वर्तमान में लगभग 3 हजार हेक्टेयर का क्षेत्र साडा ग्वालियर प्राधिकरण के आधिपत्य में है।

इसमें से 271 हेक्टेयर क्षेत्र एमपीआईडीसी ने मांगा है ताकि यहां औद्योगिक विकास हो सके। हालांकि यह प्रस्ताव साडा और उद्योग विभाग के बीच 2016 से लंबित है। हाल ही में केंद्र के साथ मप्र सरकार के अधिकारी टेलीकॉम पार्क के रूप में एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए बातचीत कर चुके हैं। केंद्र के अधिकारी ग्वालियर आकर साडा और मोहना क्षेत्र में जमीन देख चुके हैं।

हालांकि साडा क्षेत्र नगर निगम सीमा से जुड़ा होने के कारण यहां पार्क बनने लगभग तय है। इस प्रोजेक्ट में टेलीकॉम और इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े बड़े निमार्ता आ सकते हैं। जमीन देकर मिलने वाली राशि से साडा के ईडब्ल्यूएस हाउसिंग, आतंरिक सड़कों जैसे प्रोजेक्ट और पुराने ऋण चुकाने में मदद मिलेगी। साडा को लगभग 5 करोड़ एमपीआईडीसी को भुगतान करना है। साडा के पास लगभग 410 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध थी, पर वन विभाग से विवाद और अतिक्रमण जैसे मुद्दों के कारण 271 हेक्टेयर जमीन ही उद्योगों के लिए देने का प्रस्ताव बन पाया था।

# बिना सर्जरी होम्योपैथिक दवाओं से हुआ पीठ की गठान का इलाज

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल। राजधानी भोपाल में 32 वर्षीय महिला मरीज बीते दो साल से पीठ पर 2 किलो की गठान (सिस्ट) से पीड़ित थी। जिसका आकार लगातार बढ़ रहा था। स्थिति यह हो गई थी कि महिला को उठने बैठने में भी दर्द होता था। महिला के अनुसार उसने शाहजहांनाबाद स्थित निजी अस्पताल में लंबे समय तक एलोपैथिक इलाज कराया। लेकिन आराम नहीं मिला। इसके बाद डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी। सर्जरी से बचने और सेकेंड ओपिनियन के लिए महिला उसी क्षेत्र में मौजूद सरकारी होम्योपैथी डिस्पेंसरी पहुंची। जहां उनका बिना सर्जरी सफल इलाज किया गया।

महिला का इलाज करने वाले होम्योपैथिक डिस्पेंसरी के प्रभारी डॉ. अशोक पचौरी ने बताया कि महिला की गठान खत्म हो गई। इस दौरान महिला का इलाज सिर्फ होम्योपैथिक दवाओं से किया गया। जिनके असर से सिस्ट गल गई और महिला को दो साल पुराने बोझ से आराम मिला। विधि में इस तरह की दवाएं मौजूद हैं, जिनकी मदद से सिस्ट और सॉफ्ट ट्यूमर जैसी समस्याओं का बिना सर्जरी और चीरा लगाए इलाज संभव है।

**बॉडी में फैल रहा था इन्फेक्शन**

डॉ. पचौरी ने बताया कि सिस्ट के कारण महिला के शरीर में इन्फेक्शन फैल रहा था। स्थिति इतनी खराब थी कि ब्लड रिपोर्ट में व्हाइट ब्लड सेल्स काउंट 15 हजार के पार पहुंच गया।

यह आंकड़ा स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। महिला जब पहले दिन आई तब उसे बेचैनी, असहनीय दर्द और पूरे शरीर में सूजन थी। इलाज के बाद अब वो पूरी तरह से स्वस्थ।

## मां की फटकार से नाराज किशोरी ने खाया जहर, दो दिन बाद मौत

**भोपाल।** भोपाल के गांधी नगर में रहने वाली 14 वर्षीय रुपाली सोनी ने जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड कर लिया। बताया जा रहा है कि मां की डांट से नाराज होकर उसने यह कदम उठाया है। घटना शुक्रवार की दोपहर की है। इलाज के दौरान रविवार सुबह उसकी मौत हो गई। रुपाली परिवार की इकलौती बेटी थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रुपाली सोनी (14) पुत्री शंकर सोनी, निवासी विकास नगर ने इसी साल दसवीं कक्षा की परीक्षा दी थी। वह फोन पर अधिक समय बिताती थी। इसी बात को लेकर मां उसे अकसर डांट दिया करती थी। शुक्रवार दोपहर को भी मां ने उसे डांटा था। मृतका के फूफा श्याम कुमार सोनी ने बताया कि मां की फटकार से नाराज होकर भतीजी ने घर में रखी चूहामार दवा खा ली थी। उसे उल्टियां करता देख पिता और मां उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले की जांच कर रही लक्ष्मी देवी ने बताया कि परिजनों के डिटेल बयान अभी दर्ज नहीं किए जा सके हैं। लड़की के पास से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। लिहाजा आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। मामले की जांच की जा रही है। रविवार की दोपहर को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जब प्रधान आरक्षक अतुल उसके साथ मारपीट कर रहा था। दूसरा प्रधान आरक्षक उसका वीडियो शूट करता था।

# भोपाल में स्वच्छता में सबसे कम खर्च करने के बाद भी रैंकिंग में सुधार दावा

## 97% राशि का नहीं किया उपयोग

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल। भोपाल नगर निगम (बीएमसी) में चल रहे स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में अपनी रैंकिंग में सुधार करने का दावा कर है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही है पिछले वित्तीय वर्ष में भोपाल नगर निगम ने अपने स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के प्रस्तावित बजट का मात्र 3त्न ही खर्च किया है। वित्त विभाग के अनुसार, बीएमसी ने एसबीएम को दिए गए 107 करोड़ रुपये में से मात्र 3.21 करोड़ रुपये ही खर्च किए, जो कुल राशि का लगभग 3त्न है। इसने एसबीएम को वित्तीय

वर्ष 2024-25 के लिए निगम के 3,351 करोड़ रुपये के बजट के तहत अन्य सभी प्रमुख 15 विभागों में सबसे कम निधि उपयोग करने वाला विभाग है। इसके अलावा, स्वास्थ्य, केंद्रीय कार्यशाला और जल कार्य जैसे विभागों ने काफी अधिक खर्च दर्ज किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने अपने 174 करोड़ रुपये के बजट का लगभग 60% उपयोग किया, यानी 104.40 करोड़ रुपये खर्च किए। केंद्रीय कार्यशाला विभाग ने 271 करोड़ रुपये के आवंटन में से 127 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि जल कार्य विभाग ने अपने 304 करोड़ रुपये के आवंटन में से 127 करोड़ रुपये से अधिक का उपयोग किया। दिलचस्प बात यह है कि कोई भी विभाग अपने पूरे प्रस्तावित बजट का उपयोग करने में कामयाब नहीं हुआ और केवल स्वास्थ्य विभाग ही 50त्न उपयोग के निशान को पार कर सका है। नगर निगम के अन्य खराब प्रदर्शन करने वाले विभागों में अमृत योजना शामिल है, जिसके 95त्न फंड का उपयोग नहीं किया गया और पार्किंग विभाग, जिसने 78 लाख रुपये में से सिर्फ 5.46 लाख रुपये का उपयोग किया केवल 7 फीसदी राशि का उपयोग किया गया है।

भोपाल नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा है कि भोपाल नगर निगम में किसी प्रकार का काम नहीं हो रहा है। कई विभागों का पिछला बजट अभी तक खर्च नहीं किया गया है। जकी ने कहा है कि खराब निष्पादन के कारण महत्वपूर्ण आधारभूत कार्यों के लिए केंद्रीय वित्त पोषण में देरी हुई है। जबकि निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने दावा किया कि है प्राप्त राशि का पूरा उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा है कि जो विभाग राशि का सही उपयोग नहीं कर पाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

# देश में प्रतिभाओं की क्षमता-योग्यता का बेहतर उपयोग नहीं हो पाया

**अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 फीसदी की कमी आई है। कमोबेश यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। ये आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। निश्चित तौर पर जब ट्रंप काल में उखाड़-पछाड़ के दौर के आंकड़े सामने आएंगे, तो वे ज्यादा चौंकाने वाले होंगे। बीते साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों पर नस्लीय हमले हुए। कई छात्रों की हत्या हुई और अनेक घायल हुए। कनाडा व ब्रिटेन में भारत विरोधी अभियानों तथा कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी रवैये ने भी छात्रों का मोहभंग किया। वीजा मिलने में परेशानी, नौकरी के आकर्षक प्रस्ताव में कमी या विदेशी डिग्री को लेकर मोहभंग भी गिरावट की वजह हो सकती है।**

यह खबर चौंकाने वाली है कि बीते साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 फीसदी की कमी आई है। जबकि अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 फीसदी की कमी आई है। कमोबेश यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। ये आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। निश्चित तौर पर जब ट्रंप काल में उखाड़-पछाड़ के दौर के आंकड़े सामने आएंगे, तो वे ज्यादा चौंकाने वाले होंगे। एक समय था कि छात्रों में परदेस जाकर पढ़ाई करने का जुनून उफान पर था। हर साल मां-बाप खून-पसीने की कमाई से और अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ने के लिये विदेश भेज रहे थे। कहीं-कहीं तो खेत बेचकर और घर गिरवी रखकर बच्चों को विदेश पढ़ाने के लिए भेजने के मामले भी प्रकाश में आए। दरअसल, देश में बैंकों से एजुकेशन लोन मिलने की सुविधा ने भी छात्रों की विदेश यात्रा को सुगम बनाया। हर साल लाखों छात्र सुनहरे सपने लिए विदेश गमन कर रहे थे। ये जुनून पंजाब में विशेष रूप से देखा गया, जो कनाडा-अमेरिका आदि देशों में संपूर्ण भारत से जाने वाले छात्रों का साठ फीसदी था। जरूरी नहीं था कि ये सारे छात्र मेधावी थे और सब दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में दाखिला पा रहे थे। इनमें कई विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो सिर्फ विदेशी छात्रों से कमाई करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। वहीं कुछ विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की कमाई का जरिया बने हुए थे। युवाओं को छात्र के रूप में इन देशों में भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी। दरअसल, धीरे-धीरे छात्रों और उनके अभिभावकों को हकीकत का अहसास होता चला गया। उन्होंने महसूस किया कि वे मोटा पैसा खर्च करके जैसे-तैसे डिग्री तो पा सकते हैं, लेकिन ये नौकरी व ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं है। हां, कुछ छात्र किसी तरह छोटे-मोटे काम-धंधे करके अपनी पढ़ाई का खर्चा व घर का कर्जा उतारने का जुगाड़ जरूर कर लेते थे। दरअसल, धीरे-धीरे अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों के दुराग्रहों व उनकी प्राथमिकताओं ने छात्रों को खुरदुरी जमीन के यथार्थ से रूबरू करा दिया। छात्रों को एजेंटों ने जो सब्जबाग दिखाए थे, उनकी हकीकत सामने आने लगी। इसके अलावा कोरोना काल के बाद बिखरती अर्थव्यवस्थाएं, नौकरी के आकर्षक प्रस्तावों में कमी, वीजा मिलने में हो रही दिक्कतें, इन देशों के गोरी चमड़ी वाले लोगों के भारतीयों पर बढ़े हमलों ने छात्रों में मोहभंग की स्थिति उत्पन्न कर दी। बीते साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों पर नस्लीय हमले हुए। कई छात्रों की हत्या हुई और अनेक घायल हुए। कनाडा व ब्रिटेन में भारत विरोधी अभियानों तथा कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी रवैये ने भी छात्रों का मोहभंग किया। वीजा मिलने में परेशानी, नौकरी के आकर्षक प्रस्ताव में कमी या विदेशी डिग्री को लेकर मोहभंग भी गिरावट की वजह हो सकती है। इस बीच, कनाडा व ब्रिटेन ने आव्रजन संबंधी कड़े उपाय भी किए हैं, जिनमें छात्रों के प्रवेश पर शर्तें व आश्रित वीजा पर प्रतिबंध शामिल हैं। कनाडा ने हाल में फास्ट-ट्रैक स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम प्रोग्राम खत्म करने और 2026 तक अस्थायी निवासियों की संख्या को अपनी आबादी के 5 फीसदी तक कम करने की योजना समेत कई कड़े नियम किए हैं। अमेरिका व कनाडा के विपरीत, ब्रिटेन में महामारी के बाद भारतीय छात्र वीजा में पहली गिरावट 2023 में आई। तब वीजा पाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में 13 फीसदी की कमी आई। 2024 में इसमें 26 फीसदी की और गिरावट आई। कुछ वर्षों में, भारतीय छात्रों ने न केवल वीजा अनुमोदन में तेजी से वृद्धि दर्ज की, बल्कि तीनों गंतव्यों में अध्ययन परमिट हासिल करने में चीनी छात्रों से आगे निकल गए थे। वैसे देखा जाए तो विदेशी मुद्रा अर्जित करने के बजाय हम हर साल अरबों रुपए इन देशों को भेज रहे थे। दूसरी ओर छात्रों के विदेश जाने के मोहभंग होने का सार्थक पहलू यह भी है कि अब ये प्रतिभाएं देश में रहकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकती हैं। कुदरत का नियम है कि अपनी उर्वरा भूमि में ही पौधे अनुकूल वातावरण के चलते खिलते-निखरते हैं। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश को अंतरराष्ट्रीय मानकों वाले विश्वविद्यालय नहीं दे पाए। सामान्य शिक्षा में कौशल विकास के गुण को विकसित नहीं कर पाए। छात्रों में सरकारी नौकरियां पाने की लालसा को रचनात्मक विकल्प नहीं दे पाए। अमेरिका की सिलिकॉन वैली से लेकर आईटी से जुड़ी तमाम बड़ी कंपनियों को भारतीय प्रतिभाएं चला रही हैं।

# मणिपुर में कुकी-मैतेयी का झगड़ा देश के लिए जोखिम भरा

**मणिपुर में अब सभी जनजातियां जो कुकी या नागा के सामूहिक नाम से जानी जाती हैं, वे ईसाई हो चुकी हैं। उनकी भाषाओं के लिए अब सरकारें उनकी लिपि का प्रयोग नहीं करती, बल्कि रोमन लिपि का प्रयोग करती हैं। मैतेयी हिंदू हैं और उनको चारों ओर घेरे हुए कुकी ईसाई हैं। कुकी शब्द में जो जनजातियां हैं, वे मणिपुर के पड़ोस के राज्य मिजोरम में भी बसी हैं। बांग्लादेश के चिटगांव में भी रहती हैं और मणिपुर के पड़ोसी बर्मा के चिन प्रदेश में भी रहती हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का कहना है कि मिशनरियां इन सभी को एकत्रित करके एक नया ईसाई देश बनाना चाहती हैं ताकि पूर्वोत्तर से भी भारत को घेरा जा सके। इसलिए कुकी का झगड़ा केवल मैतेयी से है, बाकी किसी से नहीं। यही झगड़ा हिंदुस्तान के लिए जोखिम भरा है। कुकी और मैतेयी समुदायों को आपसी बातचीत करके हरेक मसले का समाधान ढूंढना चाहिए।**

मणिपुर में मैतेयी और कुकी का विवाद पिछले एक साल से चल रहा है। इस विवाद ने सौ से ज्यादा लोगों की जान ले ली। सरकार को बर्खास्त करना पड़ा। देशभर में मणिपुर को लेकर हंगामा होता रहा। मैं कल मणिपुर की राजधानी इंफाल पहुंचा था। श्री एम इराबन्ता सिंह की संस्था ने कला संकाय के छात्रों के लिए एक कॉलेज शुरू करने की योजना बनाई थी। कॉलेज के शिलान्यास के लिए मुझे बुलाया गया था। इराबन्ता सिंह मणिपुर में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। इंफाल में घूमते हुए मुझे कहीं नहीं लगा कि इस राज्य में कहीं विवाद है। सारा काम सामान्य तरीके से हो रहा था। कॉलेज का सांस्कृतिक कार्यक्रम ही देर रात तक चलता रहा। मैंने मणिपुर विश्वविद्यालय के एक प्राध्यापक से पूछा कि यहां किसी प्रकार का विवाद दिखाई तो नहीं देता। उसने सहज उत्तर दिया कि यहां इंफाल घाटी में कोई विवाद नहीं है। दो दिन पहले ही अखबार में खबर छपी थी कि सरकार ने आदेश दिया है कि पहाड़ की ओर जाने वाली सब सडकें खोली जाएं। इस पर उसने कहा कि सडकें कभी बंद हुई ही नहीं थीं। पहले भी खुली थीं और अब भी खुली हैं। बस एक ही पेंच है। इंफाल घाटी से कोई मैतेयी इन सडकों से पहाड़ में जा नहीं सकता और पहाड़ से कोई कुकी इन सडकों से इंफाल घाटी में दाखिल नहीं हो सकता।

मणिपुर में इंफाल घाटी चारों ओर से पहाड़ों से घिरी है। घाटी में मैतेयी रहते हैं और पहाड़ों पर कुकी और नागा जनजातियों के लोग रहते हैं। असल में यहीं पर सबसे बड़ा झोल है। आजादी से पहले बंगाल के लोग पहाड़ पर रहने वाले सभी लोगों को, चाहे वे किसी भी जनजाति के क्यों न हों, कुकी कहते थे। यह कुछ-कुछ इसी प्रकार था जैसे पंजाब के लोग हिमाचल के पहाड़ों पर रहने वाले सभी लोगों को पहाड़िया कहते थे। मणिपुर में पहाड़ की जनजातियां इसका विरोध करती थीं और इसको अपमानजनक मानती थीं। वे स्वयं को कुकी कहना पसंद नहीं करती थीं। ब्रिटिश राज के दिनों में मणिपुर के इन समुदायों को सरकारी अधिकारियों ने सामूहिक रूप से कुकी या नागा कहना और लिखना शुरू कर दिया था। इसका क्या कारण था? ब्रिटिश साम्राज्यवादियों को मणिपुर की इन अनेक जनजातियों को उनके मूल नाम से काट कर नया नाम देने की जरूरत क्या थी? इसको समझने के लिए गहरे उतरने की जरुरत है। मणिपुर की इन सभी जनजातियों का अपना-अपना गौरवशाली इतिहास है। उनकी अपनी अपनी भाषा है, अपनी-अपनी संस्कृति है। परम सत्ता को लेकर दार्शनिक विचार हैं। ब्रिटिश सरकार जान गई थी कि जब तक ये जनजातियां अपने ऐतिहासिक नामों से जुड़ी हुई हैं, तब तक इनकी संस्कृति को नष्ट करना संभव नहीं होगा। वैसे भी थादौ समुदाय के लोगों ने 1917-1919 तक ब्रिटिश आधिपत्य के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष छेड़ रखा था। संघर्ष की प्रेरणा और ऊर्जा थादौ समुदाय को अपने इतिहास, संस्कृति और पूर्वजों की कथाओं से ही मिलती थी। इसलिए ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने कुछ समुदायों को एक वर्ग बनाकर उनका नया नामकरण करके उनके इतिहास को समाप्त कर नया इतिहास लिखने की कोशिश की।

जनजाति समुदायों के निवास स्थानों के विकसित होने की एक विशेष पद्धति देखी जा सकती है। किसी एक जनजाति के गांव में दूसरी जनजाति के समुदाय के बसने-रहने की संभावना नगण्य कही जा सकती है। इसका एक कारण यह भी है कि पुराने समय में विभिन्न समुदाय प्राय- आपस में लड़ते रहते थे। इसलिए एक स्थान पर एकजुट होकर रहने की जरूरत रहती थी। यही कारण है कि मणिपुर में विभिन्न समुदायों के मिश्रित गांव प्राय- देखने में नहीं आते। उन्नीसवीं शताब्दी में इस दिशा में थोड़ा परिवर्तन होना शुरू हुआ था। सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरणों से, संचार व सडकों की सुलभता के कारण किसी गांव में इक्का-दुक्का अन्य जनजाति समुदायों के लोग भी रहने लगे, लेकिन पिछले दो-तीन साल के संघर्ष ने इस पर फिर से प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। मणिपुर की विभिन्न जनजातियों की बसाहटों को देखने से यह प्रवृत्ति साफ देखी जा सकती है। मणिपुर के जनजाति समुदायों की अलग-अलग संस्कृति को समाप्त कर एक नई सामूहिक पहचान स्थापित करने के लिए ईसाई मिशनरियों का खेल भी ब्रिटिश सरकार के समय से ही चालू है। 1824 में मणिपुर के राजा ने अन्य रियासती राजाओं की तरह एक समझौता किया जिसके अंतर्गत रियासत की सरहदी सुरक्षा ईस्ट इंडिया कंपनी को हस्तांतरित कर दी गई। लेकिन इस समझौते के बाद ईसाई मिशनरियों के प्रवेश का रास्ता भी खुल गया। मिशनरियों ने राज्य की विभिन्न जनजातियों को उनकी आस्था, विरासत, कर्मकांड और परंपरा से तोड़ कर उन्हें ईसाई बना कर एक समान कर्मकांडों से बांधना शुरू किया। इसलिए जरूरी था कि उन्हें उनकी ऐतिहासिक पहचान और नाम से तोड़कर नया नाम और कर्मकांड दिए जाएं। लेकिन सभी जनजातियों को एक नाम कैसे दिया जा सकता है और उसे अलग-अलग जनजातियां स्वीकार भी कैसे करेंगी? इस समय मिशनरियों को कुकी शब्द मुफीद आया। बंगाल के लोग इन पहाड़ी जनजातियों को हिकारत से सामूहिक रूप से कुकी कहते थे। पहाड़ की ये अलग-अलग जनजातियां इसका विरोध करती थीं। लेकिन मैदानी क्षेत्रों में इन पहाड़ी जनजातियों के लिए यह नाम प्रचलन में आने लगा था। मणिपुर के पहाड़ी इलाके के लोगों की भी यही स्थिति थी। वे अपने पहाड़ में तो खादौ थे, पाएते थे, गांगते थे, लेकिन असम की बराक घाटी के लोगों के लिए वे सभी कुकी ही थे। ईसाई मिशनरियों को बना बनाया यह शब्द बहुत काम आया। अलग अलग समुदायों की यह एक सामूहिक नई पहचान बनने लगी। मिशनरियों ने मणिपुर पर दो ओर से आक्रमण किया। सिलचर की ओर से यीशु का संदेश लेकर पससपंउ विलियम पैटीग्रीयू अपने साथियों सहित 6 फरवरी 1894 को मणिपुर में घुसा। उसने उत्तरी और दक्षिणी मणिपुर में मोर्चा संभाला।

उसके कुछ वर्ष बाद ही इंग्लैंड के वाटकिन आर. रॉबर्ट्स अपनी पत्नी और एक चिकित्सक डॉ. पीटर फ्रेजर के साथ आईजोल की ओर से मणिपुर में घुसा। उसने यहां एक अस्पताल की स्थापना की और उसके माध्यम से स्थानीय लोगों से मिलने-जुलने लगा। शुरू-शुरू में जनजातियों के लोगों ने इन मिशनरियों का बहुत विरोध किया। हिंसक झड़पें भी हुईं। लेकिन यहीं से मणिपुर की जनजातियों के विसंस्कृतिकरण का नया अध्याय शुरू हुआ। अब सभी जनजातियां जो कुकी या नागा के सामूहिक नाम से जानी जाती हैं, वे ईसाई हो चुकी हैं। उनकी भाषाओं के लिए अब सरकारें उनकी लिपि का प्रयोग नहीं करती, बल्कि रोमन लिपि का प्रयोग करती हैं। मैतेयी हिंदू हैं और उनको चारों ओर घेरे हुए कुकी ईसाई हैं। कुकी शब्द में जो जनजातियां हैं, वे मणिपुर के पड़ोस के राज्य मिजोरम में भी बसी हैं। बांग्लादेश के चिटगांव में भी रहती हैं और मणिपुर के पड़ोसी बर्मा के चिन प्रदेश में भी रहती हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का कहना है कि मिशनरियां इन सभी को एकत्रित करके एक नया ईसाई देश बनाना चाहती हैं ताकि पूर्वोत्तर से भी भारत को घेरा जा सके। इसलिए कुकी का झगड़ा केवल मैतेयी से है, बाकी किसी से नहीं। यही झगड़ा हिंदुस्तान के लिए जोखिम भरा है। कुकी और मैतेयी समुदायों को आपसी बातचीत करके हरेक मसले का समाधान ढूंढना चाहिए।

बता दें कि मणिपुर का सबसे बड़ा समुदाय मैतेई ही है, जिसका राज्य की राजधानी इंफाल में बड़ा प्रभुत्व माना जाता है। आमतौर पर इन्हें ही मणिपुरी कहा जाता है। मैतेई की जनसंख्या का जिक्र किया जाए, तो 2011 की जनगणना के अनुसार मणिपुर की आबादी का 64.60 फीसदी हिस्सा मणिपुरी यानी मैतेई का है। इसमें हैरान करने वाली बात ये है कि इतनी संख्या होने के बावजूद मणिपुर की भूमि के करीब 10 फीसदी हिस्से पर ही उनका कब्जा है। इस समुदाय के ज्यादातर लोग हिंदू हैं, जबकि कुकी और नागा मुख्य रूप से ईसाई हैं। वर्ष 2011 में हुई जनगणना के मुताबिक साल हिंदुओं और ईसाइयों की मणिपुर में आबादी करीब 41 फीसदी है।

मणिपुर और मिजोरम राज्य के दक्षिण पूर्वी हिस्से में रहने वाली एक जनजाति, कुकी है। कई पहाड़ी जनजातियों में एक कुकी भी है, जो भारत, म्यांमार और बांग्लादेश में पाए जाते हैं। कुकी के बारे में ऐसा बताया जाता है कि ये उत्तर पूर्व भारत के करीब सभी राज्यों में मौजूद हैं, अगर अरुणाचल प्रदेश को छोड़ दिया जाए तो...। नागा और कुकी की जनसंख्या मणिपुर की कुल आबादी का 35.40 फीसदी है, लेकिन चौंकाने वाली बात ये है कि राज्य की 90 फीसदी भूमि पर कुकी और नागा का कब्जा है। मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में दोनों ही समुदाय रहते हैं।

# पशुपतिनाथ से तिरुपति तक 'लाल आतंक' फैलाने का सपना ध्वस्त

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि नक्सली जो कभी नेपाल के पशुपतिनाथ से लेकर आंध्रप्रदेश के तिरुपति तक 'लाल आतंक फैलाना' चाहते थे, आज सिर्फ चार जिलों तक सिमट कर रह गए हैं। मध्यप्रदेश के नीमच में सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) के स्थापना दिवस समारोह में उन्होंने कहा कि देश के लिए सीआरपीएफ का सबसे बड़ा योगदान नक्सलवाद का खात्मा होगा। बता दें कि केंद्र सरकार ने देश को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए 31 मार्च, 2026 का लक्ष्य तय कर रखा है; और आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि सरकार इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रही है। दरअसल, वामपंथी उग्रवाद को लेकर केंद्र सरकार के हौसले यूं ही बुलंद नहीं हैं। आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले एक दशक में सुरक्षा बलों ने लाल आतंक के खिलाफ किस तरह से काम किया है, जिसकी वजह से इनकी कमर पूरी तरह से टूट चुकी है। नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए केंद्र सरकार ने 2015 में एक खास नीति बनाई और उसके अनुसार एक्शन प्लान बनाकर कार्रवाई करनी शुरू की। इसका परिणाम यह हुआ है कि 2018 से पहले देश के 126 जिले नक्सल प्रभावित थे तो उस साल अप्रैल में इनकी संख्या घटकर 90 तक पहुंच गई। वहीं गुरुवार को गृहमंत्री अमित शाह ने बताया है कि आज मात्र 4 जिले ही वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित रह गए हैं।

भारत सरकार ने वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) को खत्म करने के लिए पिछले एक दशक में लगातार काम किया है। सरकार ने इसके लिए एक खास रणनीति बना रखी है, जिसके चलते एलडब्ल्यूई प्रभावित क्षेत्रों में काफी सुधार हुआ है। सरकार का लक्ष्य है कि 31 मार्च 2026 तक भारत को नक्सलवाद से पूरी तरह से मुक्त कर दिया जाए। क्योंकि, नक्सलवाद दूरदराज के इलाकों और खासकर के आदिवासी गांवों के विकास में बहुत बड़ी बाधा रहे हैं। यह शिक्षा, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, बैंकिंग और डाक सेवाओं को इन गांवों तक पहुंचने से रोकता है। सरकार ने वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना (2015) बनाई है।

आज आंकड़ों को देखने से मालूम होता है कि यह रणनीति काफी कारगर हुई है, जिससे नक्सलवाद कमजोर हुआ है। नक्सली हिंसा कम हुई है और ज्यादातर एलडब्ल्यूई प्रभावित जिले मुख्यधारा में वापस आ गए हैं। सरकार ने एलडब्ल्यूई प्रभावित क्षेत्रों में विकास के लिए कई योजनाएं चलाई हैं। सरकार ने वामपंथी उग्रवाद से लड़ने के लिए दो दिशाओं में काम किया है। पहला, नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में कानून का राज स्थापित करना और सभी अवैध हिंसक गतिविधियों को पूरी तरह से रोकना। दूसरा, उन इलाकों में हुए नुकसान की भरपाई करना जो लंबे समय से नक्सली आंदोलन के कारण विकास से दूर रह गए हैं। सरकार बीते एक दशक से नक्सलवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है। सरकार योजनाओं को पूरी तरह से लागू करके वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों का विकास करना चाहती है। इसका मतलब है कि सरकार नक्सलवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करने वाली और उसे खत्म करने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। इसका असर आंकड़ों को देखने से पता चलता है। मसलन, आज से डेढ़ दशक पहले अगर नक्सली वारदातों में सात सौ से ज्यादा नागरिकों की जानें जा रही थीं तो 2024 तक के आंकड़ों के मुताबिक यह संख्या घटकर मात्र 121 तक रह गई थी और मौजूदा वक्त में यह और कम हो चुकी है।

इसी तरह से 2010 में अगर बुनियादी ढांचों पर हुए नक्सली हमलों की संख्या 365 थी तो 2024 में यह घटकर सिर्फ 25 रह गई थी। बीते एक वर्ष में इसमें और अप्रत्याशित कमी आने की संभावना है और ताजे आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं हैं। बीते तीन वर्षों की बात करें (2022 से 2024) तो नक्सली हिंसा में हुई कुल मौतों के मामले भी काफी कम हुए हैं। बीते एक वर्ष में तो इसमें वामपंथी उग्रवादियों की संख्या ही ज्यादा रहने की संभावना है। अगर तीन वर्षों के आंकड़े देखें तो आज भी सबसे ज्यादा मौतें छत्तीसगढ़ में ही हो रही हैं, लेकिन अब वहां भी यह लगातार कम हो रही है। बीते सात दशकों से वामपंथी उग्रवाद (लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म) देश के लिए एक बड़ी समस्या रही है, जिसे आमतौर पर नक्सलवाद के नाम से जाना जाता है। यह देश की सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसकी शुरुआत सामाजिक और आर्थिक असमानता से हुई। माओवादी विचारधारा ने इसे और भड़काया। नक्सलवाद का असर देश के पिछड़े और आदिवासी इलाकों में ज्यादा रहा है। नक्सलियों का मकसद रहा है कि वे सरकार के खिलाफ हथियार उठाकर उसे कमजोर करें। वे अपनी सरकार चलाना चाहते हैं। वे सुरक्षा बलों, सरकारी संपत्ति और लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बनाते हैं। नक्सलवाद की शुरुआत 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई थी। इसलिए इसे नक्सलवाद कहा गया। कानू सान्याल को भारत में नक्सलवाद का जनक कहा जाता है। यह आंदोलन धीरे-धीरे 'रेड कॉरिडोर' में फैल गया। इसमें छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, केरल, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य शामिल हैं। नक्सली कहते हैं कि वे गरीब और आदिवासी लोगों के लिए लड़ रहे हैं। लेकिन वे इसके नाम पर हिंसा करते आए हैं, लोगों से जबरन उगाही करते हैं; और स्कूल-अस्पताल को भी निशाना बनाने से नहीं चूकते हैं। यहां तक कि वे मासूम बच्चों को भी कैडर बनाने से परहेज नहीं करते।

# लूटने वाले लोगों पर लगाम लगाता नया वक्फ कानून

वक्फ संशोधन कानून के सांविधानिक समावेशी सुधार पर पाकिस्तान से लेकर 'परिवारिस्तान' (कांग्रेस, सपा, राजद, तृणमूल, द्रमुक आदि) तक का सांप्रदायिक वार इस बात का प्रमाण है कि 'लश्कर-ए-लूट' की छूट पर सर्जिकल स्ट्राइक से लूट-लोलुप लॉबी लामबंद हो गई है। वर्तमान वक्फ सिस्टम में सुधार मुसलमानों के समावेशी सशक्तिकरण की एक और पहल है। यह सुधार धार्मिक आस्था-स्थल के संरक्षण व प्रशासनिक व्यवस्था के संवर्द्धन की गारंटी है। इससे न धर्म को नुकसान है, न धार्मिक स्थल को। देश में लगातार सुधार हो रहे हैं। हर समावेशी, सांविधानिक सुधार पर सांप्रदायिक प्रहार वाले 'साजिशी सिंडिकेट' के सांप्रदायिक संक्रमण से हमें सावधान रहना होगा। इस दौर में हर सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रशासनिक, आर्थिक सुधार को हिंदू-मुस्लिम का रंग देने का रिवाज बन गया है। बहकावे की राजनीति इस कदर फैली हुई है कि आसानी से मुसलमान बहकावे में आ रहे हैं। क्या यह सब सिर्फ इसलिए कि इस्लामपरस्त लोग मासूम हैं या इसके पीछे की वजह कुछ और ही है?

अकसर देखा जाता है कि किसी भी ऐसे मुद?्दे पर, जिसका आम मुस्लिम लोगों से कोई लेना-देना नहीं है, उस पर भी वे भड़का दिए जाते हैं। भले ही ये मुद?्दे धार्मिक मान्यताओं पर कोई प्रहार न कर रहे हों। वक्फ संशोधन कानून मुल्क का है, किसी मजहब का नहीं। इसलिए अब वक्त आ गया है कि देश, कौम और खुद की तरक्की चाहने वाले मुस्लिम आगे आएं और लगातार फैलाए जा रहे भय-भ्रम पर रोक लगाएं। आजादी के समय से सियासी पार्टियों और उनके नेताओं द्वारा अपने राजनीतिक हितों के लिए देश के मुसलमानों को हमेशा उकसाया गया और उनमें असुरक्षा के भाव पैदा किए गए। आम तौर पर इससे किसी भी नागरिक को कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कौन क्या करता है, कैसे रहता है, लेकिन जैसे ही देशहित के मुद?्दे पर बात होती है, तो चुनिंदा लोग भ्रम की राजनीति करने लगते हैं और लोगों को बहकाते हैं कि उनका अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। आजादी के बाद के वर्षों में अपने राजनीतिक हितों के लिए पैदा की गई असुरक्षा ही अभी तक देश में दंगों और झगड़ों की वजह रही है। मेरा खुद का अनुभव रहा है कि आम मुसलमान वक्फ के मुतवल्लियों से ज्यादा परेशान है। मुतवल्ली संपत्तियों को वक्फ के काम, जैसे यतीमखाने, मदरसे, स्कूल, अस्पताल के लिए वक्फ की आय का इस्तेमाल न करके उसे अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए खुर्द-बुर्द कर रहे हैं, जिसके कारण आम मुसलमान को सबसे ज्यादा नुकसान है।

गरीब मुसलमान इस बात की शिकायत भी करता है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती। ऐसे में, यदि वक्फ की संपत्तियों के रख-रखाव के लिए पूरी व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए सरकार ने कोई कानून बनाया है, तो उसे मुसलमानों पर हमला कैसे कहा जा सकता है? ऐसा तो वही कह सकते हैं, जिन्हें वक्फ के बुरे प्रबंधन से लाभ हो रहा है। ऐसे चंद लोग ही मुस्लिम समुदाय का शोषण कर रहे थे।

अब देश और कौम के लिए सोचने वाले मुसलमानों को यह तय करना है कि वे वक्फ को आदरणीय पैगंबर और कुरान शरीफ में दिए गए सिद्धांतों के अनुसार कौम के भले के लिए चलने वाली संस्था के रूप में देखना चाहते हैं या इसे लूट-खसोट का अड्डा बनाकर कुछ लोगों के हाथ में रहने देना चाहते हैं? यह भी देखें कि जो बड़े वक्फ बेवाओं, यतीमों और गरीबों की मदद के लिए बनाए गए, उनका जमीन पर क्या हाल है, मुतवल्लियों द्वारा कितने बेच दिए गए और पैसा किसी रसूख वाले की जेब में तो नहीं गया? क्या वजह है कि कौम की भलाई की सोच वाले मुसलमानों ने नए वक्फ बनाने छोड़ दिए? यदि वक्फ पारदर्शिता और नियम से नहीं चले, तो पसमांदा मुसलमानों के बच्चे परवरिश और पढ़ाई के लिए दर-दर भटकते रहेंगे। इसलिए सभी अच्छी सोच वाले मुसलमानों को आगे आकर बोलना चाहिए और किसी के लिए नहीं, तो कौम के गरीबों के लिए, यतीमों के लिए, बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के आधार पर चल रही सरकार का इस ऐतिहासिक कदम के लिए समर्थन करना चाहिए।

# जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गहिरा नाल में किया गया श्रमदान

**मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ** उमरिया, जल संवर्धन का मतलब है जल संसाधनों को बचाना और उनका बुद्धिमानी से उपयोग करना। यह हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि जल हमारे स्वास्थ्य, सफाई, खाद्य सुरक्षा और वनस्पति के विकास के लिए आवश्यक है। जल के बिना जीवन असंभव है। इसको लेकर प्रदेश स्तर पर चलाई जा रही योजना जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के तहत जल संसाधन संभाग उमरिया के अधिकारियों कर्मचारियों एवं ग्राम पंचायत धौरई जिला उमरिया के सरपंच, सचिव सहित ग्रामीणों द्वारा श्रम सहयोग से गहिरा नाला के पास बसघटी घाट में पानी की धारा को रोककर जल संचय को लेकर बोरी बंधान का किया गया, गौरतलब होकि ग्रामीणों की कृषि भूमि को सिंचित करने को लेकर हर गर्मी में इंतज़ाम किया जाते है घुनघुटी के ग्राम मोहतराई में बाकयदा श्रमदान किया है । बोरी बंधान कार्य का प्रारंभ किया गया गहिरानाला में स्थित बसघट ग्राम पंचायत दौरे अंतर्गत एक गांव मोहतराई भी है और यही से घुनघुटी से बालबाई रोड निकलती है इस घाट में किया गया जल संचय यहां के निवासियों मवेशियों रोड से आने जाने वाले यात्रियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है मोदी बोरी बंधान कार्य की शुरुआत जल संसाधन संभाग के कार्य पालनयंत्री, अनुविभागीय अधिकारी - एसके जाटव, उपयंत्री साक्षी सिंह, अशोक कुमार अग्निहोत्री, मुन्ना लाल पनिका, राम लाल पनिका, सहित ग्राम पंचायत के सरपंच राजेश सिंह सचिव शैलेंद्र तिवारी सहित ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव सहित लोगो ने जल का महत्व ग्रामीणों को समझया है।

# बाबा तालाब देवी मंदिर में चला अभियान

**मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ।** शहडोल, जल से है सुगम जीवन जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण हेतु जनभागीदारी, जनप्रतिनिधियों जन अभियान परिषद के सदस्यों, समाजसेवी व अन्य लोगों के सहयोग से जल संग्रहण संरचनाओं के जीर्णोद्धार, नदी नालों की सफाई, बोरी बंधान तालाबों का गहरीकरण जैसे अन्य कार्य निरंतर किये जा रहे है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहडोल जिले के जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम पंचायत मैरटोला के बाबा तालाब देवी मंदिर में सफाई अभियान चलाया गया जिसमें विधायक शरद जुगलाल कोल, जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र पटेल, जनपद सदस्य हरिशरण चतुर्वेदी, जनपद सदस्य अरविंद पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय सिंह, तहसीलदार अजय पाण्डेय, नायब तहसीलदार शनि द्विवेदी जी,आजीविका मिशन की टीम,एवं सभी विभागीय अधिकारी कर्मचारी जनों के साथ जन अभियान परिषद के मेंटर्स हीरालाल साहू एवं ग्राम विकास प प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष भैया लाल पाल सहित अन्य लोगों के महती भूमिका निभाई।

# फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप द्वारा ब्राह्मण समाज को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी से ब्राह्मण समाज में भारी रोष

## अनुराग कश्यप का पुतला दहन किया गया

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ** नकुड । सहारनपुर, फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप द्वारा ब्राह्मण समाज को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी से जहां देशभर में ब्राह्मण समाज द्वारा उनका जबरदस्त विरोध किया जा रहा है। वहीं नकुड़ के ब्राह्मण समाज में भी इसे लेकर भारी रोष व्याप्त है। आज नगर पालिका चौक पर सैकड़ो की संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग इकट्ठे हुए। जहां उन्होंने विरोध करते हुए अनुराग कश्यप का पुतला दहन किया और नकुड़ थाने में प्रार्थना पत्र देकर अनुराग कश्यप की इस अभद्र टिप्पणी के लिए उस पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अविनाश गौतम ने प्रार्थना पत्र लेकर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान ब्राह्मण नेता रोहित कौशिक, मास्टर शिवचरण शर्मा, डॉक्टर वीरेंद्र दत्त, सुशील वत्स, पंडित प्रदीप शर्मा, कपिल त्यागी, कमलकांत शर्मा, भूपेंद्र शर्मा, गौरव पंडित, आदित्य शर्मा, अभय शर्मा, रोहित शर्मा, गोपाल शर्मा, आयुष शर्मा, मनीष भार्गव, निशांत शर्मा, सुशील शर्मा, पंकज शर्मा सहित ब्राह्मण समाज के काफी लोग उपस्थित रहे।

# देवबंद में श्रीबालाजी धाम मंदिर परिसर में क्रिकेट खेलने को लेकर हुई कहासुनी के बाद दो पक्षों में मारपीट

## घटना के विरोध में बजरंग दल नेता विकास त्यागी के नेतृत्व में हिंदू संगठनों ने किया जमकर हंगामा

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ** देवबंद । सहारनपुर, देवबंद में श्रीरामलीला ग्राउंड स्थित श्रीबालाजी धाम मंदिर प्रांगण के पास एक समुदाय के कुछ लडके क्रिकेट खेलते हुए गाली-गलौज कर रहे थे। जब दूसरे समुदाय के लडकों द्वारा उन्हें मना किया गया तो वह उनके साथ गाली-गलौज करने लगे और मारपीट पर उतारू हो गए।

जिसके बाद कुछ और लोगों ने मौके पर आकर पथराव कर दिया। जिसमें मंदिर के दो सेवादार घायल हो गए। सूचना मिलते ही बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर जमकर हंगामा किया। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवबंद में श्रीरामलीला मैदान स्थित श्री बालाजी धाम मंदिर प्रांगण के बाहर शनिवार देर शाम एक समुदाय के कुछ लडके क्रिकेट खेल रहे थे और गाली-गलौज कर रहे थे। मंदिर के सेवादारों ने उन्हें ऐसा करने से मना किया। इस पर क्रिकेट खेल रहे लडकों ने उन्हें गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जिससे मौके पर तनाव हो गया। इसके बाद क्रिकेट खेल रहे लोगों की ओर से कुछ और लोग मौके पर पहुंचे और पथराव करने लगे। जिसमें मंदिर के सेवादार विजय प्रजापति और अंश शर्मा घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने मंदिर प्रांगण में जमकर हंगामा कर प्रदर्शन किया। बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने मौके पर पहुंचकर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग पुलिस-प्रशासन से की। पुलिस ने मंदिर कमेटी की ओर से अभियोग पंजीकृत कर लिया है। हिंदू संगठनों ने पुलिस-प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग की और कहा कि रामलीला ग्राउंड, श्रीबालाजीधाम पर हर बुधवार को लगने वाले पैठ बाजार को यहां लगना बंद कराया जाए क्योंकि यहां आसपास हिंदू बाहुल्य आबादी है और यहां मंदिर भी है इसलिए यह बाजार यहां नहीं लगना चाहिए। देर रात्रि तक हिंदू संगठनों का प्रदर्शन चलता रहा। पुलिस व प्रशासन के कई अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। इस दौरान देवबंद पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग, भाजपा नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता, बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी, आरएसएस नेता आशुतोष गुप्ता, मंदिर समिति अध्यक्ष राजकिशोर गुप्ता, अभिषेक त्यागी ने घटना पर कड़ी नाराजगी जताई। एसपी देहात सागर जैन, एसडीएम देवबंद युवराज सिंह, सीओ देवबंद रविकांत पाराशर मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को कार्यवाही का आश्वासन देते हुए शांत किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष राजकिशोर गुप्ता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

# देवबंद के देवी मेला पंडाल में आयोजित हुआ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ** देवबंद । सहारनपुर, नगर पालिका परिषद देवबंद के तत्वाधान में मां श्री त्रिपुर बाला सुंदरी देवी मेला प्रांगण में बीती रात अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। मंच का उद्घाटन देवबंद नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विपिन गर्ग ने फीता काटकर किया। मंच पूजन नारियल तोड़कर मनमोहन गर्ग ने किया। मां सरस्वती की प्रतिमा को माल्यार्पण वैभव अग्रवाल ने किया एवं दीप प्रवलन मुकेश अग्रवाल ने किया।

मां सरस्वती प्रतिमा के समीप ध्वजारोहण सभासद अंकित राणा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेपल्स एकेडमी के अध्यक्ष एवं अपना घर आश्रम के संचालक अजय मित्तल द्वारा किया गया।

सर्वप्रथम मां सरस्वती की वंदना श्रंगार रस की कवित्री मीनाक्षी दिनेश द्वारा की गई एवं अपनी सुप्रसिद्ध पंक्तियां सुनाई -

तेरी आँखों का हर आँसू अपने काजल में बांधेंगे, माथे पर आयेंगी बूँदें अपने आँचल में बांधेंगे, रास्ते पर चलते-चलते ये पांव कभी जब थक जाएं तो तेरी आँखों का हर सपना अपनी पायल में बांधेंगे।।

कोटा राजस्थान से आए वीर रस के कवि भूपेंद्र राठौर ने सुनाया

आओ मिलकर दीप जलाये,राम अवध में आये हैं,अंधियारे को दूर भगाकर,राम रोशनी लाये है, जात पात के बन्दन टूटे,हम ऐसे दीये जलाये जी, हर देहरी पर दीप जलाकर,जन गण मन को गाये जी, बोलकर सबका मन मोह लिया।।

सूरत गुजरात से आई प्रमुख कवित्री सोनल जैन जिन्होंने अपने श्रृंगार रस से सब का मन मोह लिया

हास परिहास रहे कोई न उदास रहे इसलिए उर उपजायी गई कविता

हुस्न के रिसालों में गई है नहलाई और गजरे के फूलों से सजाई गई कविता

विरह की जिरह सुनी नहीं किसी ने तब आँसुओं की आग में तपाई गई कविता

जगत की पीर से कबीर हो उठा अधीर मुक्त कंठ होकर सुनाई गई कविता।।

दिल्ली से आए हास्य कवि रसिक गुप्ता ने अपने हास्य, व्यंग्य से पूरे पंडाल को हंसने पर मजबूर कर दिया।

बहजोई संभल से आये गीतकार डॉक्टर सौरभ कांत शर्मा ने अपने अंदाज में मंच को भाव-विभोर कर दिया- समय तराजू तोल रहा है,इतिहास के पन्ने खोल रहा है, सत्य सनातन की आंखों में काशी, मथुरा डोल रहा है, अखंड नियंता सर्वेश्वर कल्कि का स्वागत करने को, पांच सदी से मौन यह संभल, हरिहर हरिहर बोल रहा है।।

डॉ अर्जुन सिसोदिया ने सुनाया- युद्ध नहीं जिनके जीवन में वे भी बड़े अभागे होंगें, या तो प्रण को तोड़ा होगा या फिर रण से भागे होंगे।। लाफ्टर चैंपियन प्रताप फौजदार ने सुनाया

वफा ईमान की बातें किताबों में ही मिलती हैं,

भरोसा रोज मिलता है भरोसा रोज डसता है,

ज़मीं वो अन्न पैदा कर वफ़ा जो खून में बोले, भगत सिंह जैसे बेटों को वतन अब भी तरसता है।।

संचालन कार्यक्रम संयोजक नितिन गुप्ता द्वारा किया गया। मंच की व्यवस्था निखिल अग्रवाल, मनमोहन गर्ग एवं हिमांशु होरा द्वारा की गई। कार्यक्रम में डॉक्टर पवन संवई, विपिन भारतीय, राकेश गांगुली, भाजपा नगराध्यक्ष अरुण गुप्ता,पंडित विशाल शर्मा, मोहम्मद आकिल, मनोज गुप्ता, राहुल गर्ग, हिमांशु सिंघल, मनोज बंसल,

अनुपम गुप्ता, अजय गुप्ता, विशाल गर्ग, पंकज गोयल, अभिषेक त्यागी, ईशान गौड, अंगद गुप्ता आदि श्रोतागण उपस्थित रहे।

# धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों के साथ मनाई गई पुण्य सम्राट की 8वी पुण्यतिथि

**मेघनगर** विश्व पूज्य दादा गुरुदेव प्रभू श्रीमद विजय राजेन्द्र सुरीश्वरजी महाराज साहब के प्रभावशाली पट्टधर, पुण्य सम्राट, युग प्रभावक, श्रीमद विजय जयंतसेन सुरीश्वरजी महाराज साहब की 8की वार्षिक पुण्य तिथि नगर में वैशाख वदी सप्तमी, दिनांक 20 अप्रैल 2025, रविवार को हृदय सम्राट, गच्छाधिपति, श्रीमद विजय नित्यसेन सुरीश्वरजी महाराज साहब, आचार्य श्रीमद विजय जयरत्न सुरीश्वरजी महाराज साहब के शुभ आशीर्वाद एवं पूज्य साध्वीजी श्री तत्त्वलताश्रीजी महाराज साहब के प्रेरणा से धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों के साथ श्री त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ, श्री राजेन्द्र सूरी जैन ज्ञान मंदिर ट्रस्ट एवं परिषद परिवार द्वारा मनाई गई। उक्त जानकारी देते हुए महिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती स्नेहलता कावड़िया ने बताया कि, पुण्य सप्तमी के दिन प्रातः 10 से 11 बजे तक सामूहिक जाप एवं सामायिक का आयोजन किया गया जिसमें 36 लोगो ने भाग लिया। 11.30 बजे सामूहिक आयम्बिल का आयोजन लाभार्थी श्रीमती मुन्नीबेन भगवानलालजी बोहरा परिवार द्वारा किया गया जिसमें 18 तपस्वी ने आयम्बिल किए। दोपहर में 01 बजे श्री राजेन्द्र सूरी अष्टप्रकारी पूजन राजेशजी, युवराजजी भंडारी परिवार

द्वारा पढ़ाई गई एवं दोपहर 02 बजे, पुण्य सम्राट श्री जयंतसेन सूरी अष्टप्रकारी पूजन, रामलालजी, विशालजी, लक्ष्य भंडारी परिवार द्वारा पढ़ाई गई। परिषद अध्यक्ष देवेंद्र जैन एवं तरुण परिषद अध्यक्ष रवि जैन (गोलू) ने बताया कि, आज पुण्य सप्तमी के अवसर पर परिषद परिवार द्वारा सामूहिक सेवाकार्यों का आयोजन किया गया। जिसमे नगर के शंकर मंदिर परिसर में संचालित राम रोटी अणु दरबार में 50 से अधिक निराश्रितों को भोजन प्रसादी एवं फलो का किट का वितरण किया गया। इसके पश्चात नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं पड़वाल हॉस्पिटल में उपचाररत 40 से अधिक मरीजों को फलो का किट वितरित किया गया। रात्रि में तरुण, बालिका परिषद द्वारा भक्ति का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर परिषद परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

## सीएमओ की हठधर्मिता, परिषद लाचार

# नगर डूबा अंधकार में, निर्दोष कर्मचारी हो रहे लोगो की शिकायत का शिकार...

**कर्मचारियों की पीड़ा...परिषद से नही मिलता सामान -**

पेटलावद - नगर परिषद इन दिनों लाचार नजर आ रही है.. नगर को सही दिशा में ले जाने वाली परिषद की 15 दिशाएं बिगड़ी पड़ी है.... 15 दिशाएं यानी 15 ही वार्डो के हालात खराब है.... नगर परिषद में जब से सीएमओ के रूप में आशा भंडारी ने पदभार ग्रहण किया है तब से मानो परिषद विकास कार्यों से कोसों दूर हो चुकी है.... विकास से कोसों दूर नगर परिषद नगर वासियों को मूलभूत सुविधाएं भी नहीं दे पा रही है। वार्डो में हालात यह है कि कहीं गंदगी पसरी पड़ी है तो कहीं समय पर पानी नहीं पहुंच पा रहा है। और इन दिनों नगर के अधिकांश क्षेत्र अंधकार में डूबे पड़े हैं। वार्डो में लगी स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी है। जिससे लोग अंधेरे में रहने को मजबूर है। लोगों के आक्रोश और शिकायतों का शिकार छोटे कर्मचारी हो रहे हैं। जबकि उन्हें परिषद से मिलने वाली सामग्री नहीं मिल पा रही है। ऐसे में उनके सामने एक बड़ा संकट है। रात्रि में अंधेरा होने के कारण नगर में कभी भी कोई बड़ी घटना भी हो सकती है, बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। लेकिन सीएमओ की हठधर्मिता के चलते परिषद और कर्मचारी लाचार नजर आ रहे हैं। समस्या सामने होने के बाद भी उनका निराकरण नहीं हो पा रहा है मजबूरन लोग सीएम हेल्पलाइन कर रहे हैं। लेकिन निराकरण के नाम पर उन्हें झुनझुना ही दिया जा रहा है। परिषद में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष सहित समस्त पार्षद मिलकर भी नगर को मूलभूत सुविधाएं देने में असमर्थ साबित हो रहे हैं। कई वार्ड में पार्षद अपने निजी खर्चे पर लोगों को सुविधा देने की कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि उन्होंने अपने घोषणा पत्र में बड़े-बड़े दावे और वादे किए थे जो की कहीं ना कहीं खोखले साबित होते नजर आ रहे हैं। इसमें पार्षदों की गलती तो नहीं कहीं जा सकती है क्योंकि परिषद में जिम्मेदार अधिकारी के आगे उनकी एक नहीं चल रही है....पार्षद सीएमओ का विरोध करके भी देख चुके हैं और उनके हितैषी बनकर भी देख चुके हैं... लेकिन किसी भी स्थिति में उनकी सुनवाई होते नजर नहीं आ रही है। 15 ही वार्डों में अगर पार्षदों का रिपोर्ट कार्ड बनाया जाए तो हालत यह है कि लोग कहते नजर आ रहे हैं कि अब तो भैया इनका जितना मुश्किल है... कुछ पार्षद तो यह भी कहते हुए नजर आ रहे हैं

# 47 यूनिट हुआ रक्तदान,7 महिलाएं भी बनी रक्त वीरांगनाए

**खरगोन**

खरगोन जिला ब्लड बैंक में थैलेसीमिया एवं सिकल सेल एनीमिया से ग्रसित बच्चों के लिए ग्राम बालसमुद के रक्तदान महादान ग्रुप ने ब्लड बैंक के सहयोग से रविवार को ग्राम बालसमुद की पाटीदार समाज धर्मशाला में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें 47 रक्तवीरो ने पहुंचकर रक्तदान किया वही सात महिलाओं ने भी शिविर में पहुंचकर अपनी सहभागिता निभाई, रक्तदान ग्रुप के संचालक सतीश पटेल ने बताया कि ग्रुप के माध्यम से यह ग्राम में आठवां शिविर है जिसमें 50 यूनिट का लक्ष्य

रखा गया था उसमें 47 यूनिट रक्तदान प्राप्त हुआ,शिविर में आने वाले सभी रक्तवीरों के लिए ग्रुप के माध्यम से चाय,नाश्ता सहित दूध की व्यवस्था की गई थी वहीं ब्लड बैंक के द्वारा सभी रक्त वीरों को प्रमाण पत्र दिए गए,सोशल मीडिया पर संचालित रक्तदान महादान ग्रुप की स्थापना 2016 में की गई थी जिसमें ग्राम सहित आसपास के क्षेत्र के 200 सदस्य शामिल है,शिविर के अलावा यह सदस्य समय-समय पर जरूरत पड़ने पर अपने निजी खर्चे से अस्पतालों में पहुंचकर भी रक्तदान करते रहते हैं,ग्रुप के सदस्य अभी तक खरगोन,खंडवा, धामनोद,बड़वानी,इंदौर सहित बड़ौदा तक अपनी निशुल्क सेवाएं दे चुके हैं,इस दौरान ब्लड बैंक चिकित्सालय खरगोन के डॉ विनय सिंह चौहान,सचिन चौहान,मोहन सोनी,हरीश चौबे,महेंद्र खांडे,कृष्णा चौहान सहित रक्तदान महादान ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे जिन्होंने ग्रुप संचालक सतीश पटेल सहित सदस्यों को प्रमाण पत्र दिया।

## उप पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह व जिले के राजपत्रित अधिकारियों ने रात्रि में जिले के विभिन्न थानों का आकस्मिक निरीक्षण कर दिये आवश्यक दिशा -निर्देश

**धार**

**पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर जिले में चला रात्रिकालिन औचक निरीक्षण।**

थानों में मालखाना, रिकार्ड रुम, जरायम रजिस्टर, बलवा ड्रिल सामग्री एवं सीसीटीव्ही कैमरो, हवालात, गुण्डा व निगरानी बदमाशों की चैकिंग सहित माइक्रो बीट प्रणाली का लिया जायजा। मध्यप्रदेश पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना के निर्देशानुसार समस्त जिलों में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को थानों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं सभी थाना प्रभारियों को प्रभावी पुलिसिंग करने, थाना क्षेत्र में प्रभावी गश्त करवाने, संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया है। रात्रि में ग्राउंड पुलिसिंग जानने हेतु पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह व्दारा थाना धामनोद व धरमपुरी, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मनावर श्रीमति अनु बेनिवाल (भा.पु.से.) व्दारा थाना मनावर,गंधवानी, डीएसपी अजाक धार श्री आनंद तिवारी व्दारा थाना सरदारपुर, महिला थाना व अजाक, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बदनावर श्री अरविंद तोमर व्दारा थाना बदनावर व दौत्रिया चौकी, अजाक, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सरदारपुर श्री विश्वदीपसिंह परिहार व्दारा थाना अमझेरा व राजोद, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) धामनोद श्रीमति मोनिका सिंह व्दारा थाना माण्डव व नालछा, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कुक्षी श्री सुनिल गुप्ता व्दारा कुक्षी, डही एवं नगर पुलिस अधीक्षक धार श्री रविन्द्र वास्कले द्वारा थाना तिरला व नौगांव थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह व्दारा एवं अन्य पुलिस अधिकारियों व्दारा थानों के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों को निम्न आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए अपराध रजिस्टर में विवेचना एवं प्रतिबंधात्मक रजिस्टर में बाउण्ड ओवर की जानकारी की समीक्षा कर प्रविष्टि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये गये। इण्डेक्स टू हिस्ट्रीशीट व निगरानी बदमाशों की समय-समय पर आकस्मिक चैकिंग करने हेतु बताया गया। गुण्डा,शिकायत,सजायाबी,एमएलसी रजिस्टर व प्री-एमएलसी आदि रजिस्टरों की चैकिंग कर थाना एचसीएम व मुंशी को संधारण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। हवालात की चैकिंग कर हवालात में किसी भी प्रकार से रस्सी,गमछा, धारदार चीज, फिनायल, बाल्टी आदि ना रखी जाए व हवालात में बंदी सुरक्षा एवं सीसीटीव्ही कैमरो से निगरानी रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये गये। गश्त की नियमितता, पुलिस की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। थाना प्रभारियों को ग्राम अपराध पुस्तिका में वार्षिक टीप लगाने हेतु निर्देशित किया गया। माइक्रो बीट प्रणाली को सक्रिय बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। जिले के समस्त थानों व चौकियों का उक्त औचक निरीक्षण लगातार वरिष्ठ अधिकारियों व्दारा किया जावेगा।

# ग्राम पंचायत डेहरी के डेरीपुरा में आगजनी में हुए चार मकान स्वाहा

### भाजपा प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल एवं भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंचल पाटीदार ने आगजनी में क्षतिग्रस्त(पिडित) परिवार से मिलकर हिम्मत दि

**धार**

डेहरी में पिछले दिनों आग जानी की बड़ी घटना घटी जिसमें चार आदिवासियों के मकान जलकर पूरी तरह स्वाह हो गए आग लगने का कारण अज्ञात माना जा रहा है बताया जा रहा है कि दिनांक 18.06.2024 को दोपहर करीब 2:00 बजे के आसपास अचानक एक घर में आग की लपटे दिखाई दी और देखते ही देखते हैं आग ने विकराल रूप ले लिया जिसमें पूर्व सरपंच दूद सिंह जामोद एवं उनके अन्य तीन भाई के मकान जलकर पूरी तरह जलकर खाक हो गए जिसमें चारों भाई का बड़ा नुकसान हो गया जिसमें से एक भाई माधव सिंह के घर तो एक माह बाद बच्चे की शादी थी जिसके लिए शादी की पूरी तैयारी हो चुकी थी जो शादी का पूरा सामान भी जलकर खाक हो गया सूचना मिलने पर प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल के साथ भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंचल पाटीदार सहित कुक्षी जनपद अध्यक्ष छगन बघेल ग्रामीण मंडल अध्यक्ष पप्पू देसाई पूर्व मंडल अध्यक्ष खड़क सिंह कुतेडि सरपंच दीपक सिंह उमरी सरपंच प्रतिनिधि धनसिंह संहिता अनेक भाजपा के लोग ने पीड़ित परिवार के घर पहुंच कर सांत्वना दी एवं जयदीप पटेल ने धार जिला कलेक्टर से फोन पर चर्चा कर वास्तु स्थिति से अवगत कराकर अधिक से अधिक की सहायता राशि दिलाने के लिए आश्वस्त किया वही डेहरी सरपंच धनपाल द्वार भी सभी पीड़ित परिवार को ग्यारह ग्यारह रु की राशि सहायता स्वरूप देने की घोषणा की कुक्षी पूर्व विधायक मुकाम सिंह किराड द्वारा भी गृहस्ती का सामान भेज कर सहायता की।

# बदलते मौसम में रखें खानपान का ध्यान

### तेज धूप, गर्म हवा से मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से बचें

**सागर**

कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने सभी जिले वासियों से ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए आवश्यक प्रबंध करने एवं उपाय अपनाने की अपील की है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता तिमोरी ने बतलाया कि गर्मी के मौसम में तेज धूप, गर्म हवा से मावन स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ता हैं शिशु गर्भवती माता, बच्चें, गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्ति, वृद्धजनों के स्वास्थ्य पर अधिक तापमान, तेज गर्म हवा से दुष्प्रभाव होने लगता है इन से बचाव करना अतिआवश्यक हैं । बदलते मौसम में खान-पान का ध्यान रखें, ताजा और हल्का भोजन ही खाएं जंक फूड खाने से बचें, पानी अधिक मात्रा में पिएं, फलों का सेवन करें, चाय, काफी, गैस वाले पेय पदार्थो का सेवन न करें।

लू लगने के कारण व्यक्ति में तनाव के लक्षणों का अनुभव करता है चक्कर आना, जी मिचलाना, अत्याधिक प्यास लगना, पेशाब कम होना, सिरदर्द, हॉफना और दिल की धड़कन तेज होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का न आना, आदि लक्षण लू लगने के संकते होते हैं तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

**लू से बचने के लिए क्या करें** तेज धूप और अधिक गर्मी में देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और नमक की कमी हो जाती हैं इससे बचाव हेतु अधिक समय तक धूप के सीधे संपर्क में न रहें, अधिक मात्रा में पानी पीना, लू से बचें गर्मियों में बाहर घूमने जाएं तो

अपना विशेष ध्यान रखें, पतले, ढीले सूती वस्त्र पहनें अपने सिर को छाते, टोपी, तौलिया आदि से ढक ले, ताकि धूप के सीधे संपर्क में आने से बचा जा सकें, काला चश्मा पहने, नंगे पैर बाहर न निकले, इन सावधानियों से अपना बचाव किया जा सकता हैं । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता तिमोरी द्वारा स्वास्थ्य संस्था प्रभारियों को निर्देश दिये हैं। कि अस्पताल में लू से पीड़ित मरीजों को तत्काल स्वास्थ्य सेवायें प्रदान हेतु संस्था में सम्पूर्ण व्यवस्था रखी जाये। आमजन से अपील है कि तेज धूप, गर्भ हवा चलने पर सावधानी के साथ बचाव हेतु आवश्यक उपरोक्त उपायों को ध्यान में रखकर ही निकलें।

## डिजीटल मीडिया विभाग राष्ट्रीय महासचिव बनाए गए सैय्यद रिज़वान अली

### PCWJ डिजिटल मीडिया विभाग राष्ट्रीय कार्यकारिणी सहित प्रदेश संयोजक गण के नामों की हुई घोषणा

### डिजीटल मीडिया विभाग राष्ट्रीय संयोजक का पुन-दायित्व शशि दीप मुंबई को

भोपाल। पत्रकार सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध अखिल भारतीय संगठन प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्टस पंजीकृत के राष्ट्रीय संरक्षक / संयोजक की सहमति से संगठन के संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर सैयद खालिद कैस ने आज डिजिटल मीडिया विभाग का पुनर्गठन करते हुए प्रादेशिक संयोजकों के नामों की घोषणा की।

घोषणा अनुसार राष्ट्रीय संगठन महासचिव शशि दीप मुंबई को पुन: डिजिटल मीडिया विभाग का राष्ट्रीय संयोजक का दायित्व सौंपा गया है।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में श्री डॉक्टर जाकिर शेख बैतूल मध्य प्रदेश, श्री बाबूलाल नागा जयपुर राजस्थान,श्री सैयद रिज़वान अली धार मध्य प्रदेश को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है।

राष्ट्रीय सचिव का दायित्व श्री अनमोल कृष्णन जम्मू कश्मीर,श्री टोटाडा श्रीनिवास आंध्र प्रदेश,श्री इकबाल अंसारी महाराष्ट्र,सुनील योगी , श्री शहाब मलिक मध्य प्रदेश,श्री राजू असरानी को सौंपा गया है।

इसी प्रकार श्री अनिल धोसरिया मध्य प्रदेश,श्री बाबू लाल नागा राजस्थान,श्री प्रकाश मुत्तु स्वामी तमिलनाडु,श्री मोहम्मद शिराज तेलंगाना ,श्री रवीना घोष पश्चिम बंगाल,श्री डिंपल कुमार हरियाणा, श्री सुरिंदर सिंह दिल्ली , श्रीमति भारती माखीजानी गुजरात,डॉक्टर चंद्र कुमार मिश्रा महाराष्ट्र,प्रोफेसर अब्राहम ओ चाको केरल,श्री अर्नब शरमा आसाम ,श्री पी आसिफ इकबाल आंध्र प्रदेश को प्रदेश संयोजक का दायित्व सौंपा गया है।

# मांगलिया में आयुष औषधालय का लोकार्पण जल्द, मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने दिए विकास कार्यों के निर्देश

इंदौर जिले के सांवेर विधानसभा क्षेत्र के मांगलिया में निर्माणाधीन आयुष औषधालय लगभग तैयार हो चुका है और जल्द ही इसका लोकार्पण होने जा रहा है। इस संबंध में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर औषधालय और आसपास के क्षेत्र के विकास को लेकर निर्देश दिए।

बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने पीडब्ल्यूडी विभाग को आयुष औषधालय तक पहुंचने वाली अप्रोच रोड और मांगलिया मेन रोड से औषधालय के पीछे के गेट तक सीसी रोड निर्माण के लिए इस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा मांगलिया मेन रोड से अतिक्रमण हटाकर खाली स्थानों पर पेवर ब्लॉक लगाने के भी निर्देश मंत्री जी ने दिये।

अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, रेलवे, पुलिस ट्रैफिक और थाना प्रभारी को मांगलिया ओव्हर ब्रिज के पास रोड डायवर्शन की योजना बनाने के निर्देश दिए गए। एसडीएम और तहसीलदार को आयुष औषधालय के पास गार्डन के लिए जमीन चिन्हित करने, औषधालय के आसपास अतिक्रमण हटाने, वाहन पार्किंग की जगह निर्धारित करने और संत रविदास सामुदायिक भवन के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए। बीएसएनएल विभाग को अपनी बाउंड्रीवाल के रख-रखाव और सौंदर्यीकरण की

जिम्मेदारी दी गई। जिला आयुष अधिकारी को औषधालय के लिए आवश्यक मानव संसाधन, उपकरण, एम्बुलेंस और एयर कंडीशनिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि आयुष औषधालय न केवल स्थानीय लोगों को आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधा देगा, बल्कि क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूत करेगा।

# जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मानव श्रंखला बनाकर जल संरक्षण की शपथ ली

**हरदा जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के उद्देश्य से प्रदेश सरकार में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया है। इस अभियान के तहत ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को खिरकिया में मानव श्रृंखला बनाकर ग्रामीणों से जल संरक्षण के संबंध में अपील की गई । जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री संदीप गोहर ने बताया कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों और ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सारंगपुर के सदस्यों ने मानव श्रृंखला बनाकर जल संरक्षण की शपथ ली। इस कार्यक्रम में सुसंगति संस्था छीपावड तथा माचक सेवा समिति द्वारा भी भागीदारी की गई।**

# तय समय पर रिलीज नहीं होगी विजय देवरकोंडा की किंगडम अनिरुद्ध रविचंदर बने फिल्म में देरी की वजह

विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म किंगडम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर और उत्साह बढ़ गया। हालांकि, अब लगता है कि फिल्म की रिलीज पर संकट आ गया।

**फिल्म की रिलीज में हो सकती है देरी** विजय देवरकोंडा ने जर्सी के निर्देशक गौतम तिन्नानुरी के साथ किंगडम के लिए हाथ मिलाया। यह फिल्म एक साल से अधिक समय से बन रही है और 30 मई, 2025 को स्क्रीन पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन ताजा चर्चा के अनुसार, किंगडम की रिलीज को टाला जा सकता है। इसके कई कारण हैं, लेकिन फिल्म के साथ सबसे बड़ी समस्या संगीत है।

इस वजह से फिल्म में हो रही देरी अनिरुद्ध किंगडम के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं और उन्हें अभी बैकग्राउंड स्कोर तैयार करना है। उन्हें अभी बहुत सारा काम पूरा करना है, और चूंकि वे कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं, इसलिए उन्हें विजय की फिल्म के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। ओटीटी प्ले के अनुसार, निर्माता थोड़े चिंतित हैं, क्योंकि उन्होंने किंगडम के लिए भारत भर में व्यापक प्रचार की योजना बनाई है और यदि वे तारीख से चूक जाते हैं तो उन्हें अगस्त 2025 की ओर देखना होगा, क्योंकि मई और जून में अन्य तेलुगु बड़ी फिल्में रिलीज होंगी।

**फिल्म का एक शेड्यूल भी है बाकी** निर्माता नागा वामसी ने अपने कई साक्षात्कारों में खुलासा किया कि अनिरुद्ध एक ऐसे संगीतकार हैं, जो दबाव में काम नहीं करते और अपनी शर्तों पर काम पूरा करते हैं। साथ ही फिल्म का एक छोटा सा शेड्यूल हैदराबाद में शूट किया जाना है। दूसरी ओर विजय देवरकोंडा फिल्म के लिए अपनी डबिंग का काम पूरा करने में व्यस्त हैं और अन्य पोस्ट-प्रोडक्शन औपचारिकताएं भी तेजी से चल रही हैं। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट में देरी होने की संभावनाओं पर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

# शादी की 18वीं सालगिरह पर ऐश्वर्या ने शेयर की सेल्फी

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन बॉलीवुड इंडस्ट्री के वह कपल हैं, जिनपर सभी की नजर बनी रहती है। फैंस उनके प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातों को जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। हालांकि, दोनों ही अपने व्यक्तिगत जीवन को काफी निजी रखने का प्रयास करते हैं। शनिवार को अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने अपनी शादी की 18वीं सालगिरह मनाई। अभिनेत्री ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया, जिसमें वह अपने परिवार के साथ नजर आईं।

**अभिषेक के साथ शेयर की तस्वीर** रविवार को अभिनेत्री ने अपनी शादी की सालगिरह पर फैंस के साथ अपनी तस्वीर शेयर की। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने एक पोस्ट की जिसमें वह अभिषेक बच्चन

और बेटी आराध्या के साथ नजर आ रही हैं। इस सेल्फी में तीनों मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। तीनों ने सफेद रंग के कपड़े पहने हुए हैं। तस्वीर के साथ ऐश्वर्या ने सफेद दिल बनाया।

**फैंस ने दी शुभकामनाएं** अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करते ही फैंस ने उन्हें शुभकामनाएं देनी शुरू कर दी। एक प्रशंसक ने लिखा, 'इतने लंबे समय के बाद आप दोनों को एक साथ एक फ्रेम में देखकर बहुत खुशी हुई।' एक अन्य ने लिखा, 'भगवान इस अनमोल परिवार को आशीर्वाद दें। लव यू, मैम।' एक अन्य प्रशंसक ने कहा, 'यह पोस्ट तलाक की सभी अफवाहों को खत्म कर देती है।' एक यूजर ने अभिषेक के चश्मे और ऐश्वर्या की लिपस्टिक को लेकर कमेंट किया, 'मुझे बहुत पसंद आया कि अभिषेक का चश्मा आपकी लिपस्टिक से मेल खाता है!' अभिषेक और ऐश्वर्या का वर्क फ्रंट अभिषेक बच्चन को आखिरी बार रेमो डिसूजा द्वारा निर्देशित 'बी हैप्पी' में देखा गया था। अभिषेक के आगामी फिल्मों की बात करें तो वह 'हाउसफुल 5' में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, फरदीन खान, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, चंकी पांडे, जॉनी लीवर और श्रेयस तलपड़े के साथ अभिनय करेंगे। वहीं, ऐश्वर्या राय की आखिरी फिल्म मणिरत्नम की 'पोन्नियिन सेलवन 2' थी।

# ज्वेल थीफ से लेकर एल 2 एम्पुरान तक, इस हफ्ते ओटीटी पर मिलेगा क्राइम-थ्रिलर का डबल डोज

महीने का अंत भी उतना ही रोमांचक होने वाला है, जितना कि शुरुआत में था, क्योंकि कई दिलचस्प फ़िल्में और शो रिलीज होने वाले हैं। हिंदी हीस्ट एक्शन फिल्म से लेकर अमेरिकन साइकोलॉजिकल थ्रिलर से लेकर मैसी एक्शन फिल्म तक, इस हफ्ते सब कुछ आपकी उंगलियों पर होगा। अपनी बिंज लिस्ट बनाने और इस हफ्ते के लिए अपनी पसंदीदा फिल्में चुनने के लिए तैयार हो जाइए। ज्वेल थीफ, एल2 एम्पुरान से लेकर यू सीजन 5 तक, आने वाले दिनों में नेटफ्लिक्स, प्राइम वीडियो, जियो हॉटस्टार और जी5 पर रिलीज होने वाली फिल्मों और वेब सीरीज के बारे में जानिए...

**ज्वेल थीफः द हीस्ट बिगिन्स (नेटफ्लिक्स, 25 अप्रैल)** फिल्म की कहानी एक मास्टर चोर पर केंद्रित है, जो बहुत कीमती अफ्रीकी रेड सन हीरे को चुराने के मिशन पर निकलता है, लेकिन जब उनकी योजना डबल-क्रॉस के खतरनाक खेल में बदल जाती है तो उनकी जिंदगी में नया मोड़ आता है। एक्शन-एडवेंचर थ्रिलर फिल्म में सैफ अली खान, जयदीप अहलावत, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता मुख्य भूमिकाओं में हैं।

**यू सीजन 5 (नेटफ्लिक्स, 24 अप्रैल)** यह शो एक जुनूनी युवक पर केंद्रित है, जो खुद को उन लोगों के जीवन में शामिल करने के लिए जद्दोजहद करता है, जिनसे वह प्रभावित होता है। अमेरिकन साइकोलॉजिकल थ्रिलर के अंतिम सीजन में पेन बैडगली, चार्लोट रिची, मैडलिन ब्रूअर और अन्ना कैंप ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

**वीरा धीरा सूरन भाग 2 (प्राइम वीडियो, 24 अप्रैल)** तमिल एक्शन फिल्म एक प्रोविजन स्टोर के मालिक के बारे में है, जिसकी साधारण जिंदगी एक खतरनाक अपराध नेटवर्क में शामिल होने के बाद उलट-पुलट हो जाती है। फिल्म में चियान विक्रम, दुशारा विजयन, सूरज वेंजरामूडू, एसजे सूर्या और पृथ्वी राज प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

**एल2: एम्पुरान (जियोहॉटस्टार, 24 अप्रैल)** यह फिल्म स्टीफन नेदुम्पल्ली के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो खुरेशी अब्राहम के रूप में दोहरी जिंदगी जीता है। फिल्म की कहानी इस यात्रा पर केंद्रित है कि कैसे वह एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरा और एक शक्तिशाली ग्लोबल क्राइम सिंडिकेट को लीड करता है। मलयालम एक्शन थ्रिलर फिल्म में मोहनलाल, पृथ्वीराज सुकुमारन, कैरोलीन कोजियोल, अभिमन्यु सिंह, टोविनो थॉमस और मंजू वारियर प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

**अय्याना माने (जी5, 25 अप्रैल)** यह शो एक नवविवाहित महिला के इर्द-गिर्द घूमता है, जो अपने पति के घर चली जाती है और परिवार में रहस्यमय मौतों से जुड़े कई काले रहस्यों को सामने लाती है। वह सच्चाई का पता लगाने के लिए एक मिशन पर निकलती है। कन्नड़ सस्पेंस मिस्ट्री थ्रिलर में खुशी रवि, मानसी सुधीर और अक्षय नायक प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

# पुलिस के साथ फिल्मों में निभाया पिता, प्रोफेसर और डॉक्टर का रोल, हर किरदार में चमके शिवाजी साटम

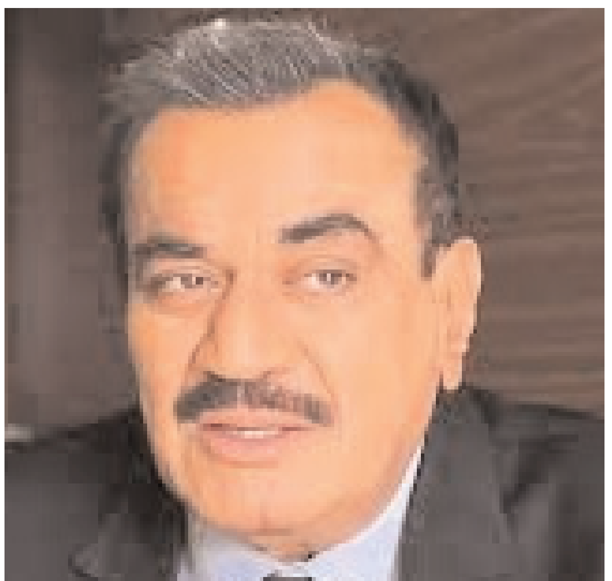

टीवी के दिग्गज कलाकार शिवाजी साटम आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। वह टीवी सीरियल और फिल्मों में अकसर पुलिस का किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि उन्होंने कई फिल्मों में पुलिस के अलावा पिता, प्रोफेसर और डॉक्टर का किरदार भी निभाया है। आज उनके जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनसे जुड़ी कुछ अहम बातें।

**नौकरी करते हुए किया थियेटर** 21 अप्रैल 1950 को मुंबई में पैदा हुए शिवाजी साटम टीवी सीरीज सीआईडी में एसीपी प्रद्युम्न की भूमिका के लिए सबसे यादा जाने जाते हैं। शिवाजी साटम ने अपनी स्कूली शिक्षा और कॉलेज की शिक्षा मुंबई से ली। फिल्मों में काम करने के अलावा शिवाजी साटम एक बैंक अधिकारी और निरीक्षक अधिकारी रह चुके हैं। इन पदों पर काम करते हुए वह थियेटर भी करते थे।

**फिल्मों में सबसे यादा निभाया पुलिस का रोल** छोटे पर्दे के कलाकार होने के साथ शिवाजी साटम ने बड़े पर्दे पर सहायक अभिनेता के तौर पर खूब काम किया है। वह छोटे पर्दे पर और फिल्मों में मुख्यता पुलिस अफसर का किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। शिवाजी साटम ने फिल्म 100 डेज, यशवंत और विनाशक में पुलिस इंस्पेक्टर का दमदार किरदार निभाया है।

अभिनेता ने वजूद, बर्दाश्त और गर्व जैसी फिल्मों में पुलिस कमिश्नर के किरदार से अपने अभिनय की गहरी छाप छोड़ी है।

**असल जिंदगी में लोग मांगते हैं मदद** शिवाजी साटम का फिल्मों में पुलिस अधिकारी का किरदार इतना मशहूर है कि उन्हें लोग असल जिंदगी में पुलिस अधिकारी समझ लेते हैं। खबरें हैं कि कई बार लोग उन्हें असली पुलिस अफसर समझ कर उनसे मदद मांग लिया करते हैं।

**फिल्मों में निभाया पिता, डॉक्टर और प्रोफेसर का रोल** शिवाजी साटम ने फिल्मों में पुलिस अफसर का किरदार निभाने के अलावा दूसरे किरदार भी निभाए हैं। उन्होंने सूर्यवंशम, जिस देश में गंगा रहता है, रक्त और नायक जैसी फिल्मों में पिता का किरदार भी निभाया है।

इसके अलावा शिवाजी साटम ने पेस्तनजी, एक होती वादी, फिलहाल और मी शिवाजी पार्क जैसी फिल्मों में डॉक्टर का किरदार निभाया है।

साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म बागी में उन्होंने प्रोफेसर का किरदार निभाया है।

**परिवार और निजी जिंदगी** शिवाजी साटम के निजी जिंदगी की बात करें तो उनके करीबी बताते हैं कि फिल्मों में पुलिस का किरदार निभाने वाले शिवाजी असल जिंदगी में बेहद सरल इंसान हैं। उनके परिवार में उनकी पत्नी अरुणा साटम के अलावा बेटा अभिजीत साटम है। बेटा भी अभिनेता है। मराठी अभिनेत्री मधुरा वेलणकर शिवाजी साटम की बहू हैं।

**अदाकारी के लिए मिले अवॉर्ड्स** शिवाजी साटम को बेहतरीन अदाकारी के लिए कई अवॉर्ड्स से नवाजा गया है। उन्हें साल 2000 में कलाश्री अवार्ड्स से नवाजा जा चुका है। साल 2003 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए इंडियन टेली अवॉर्ड्स से नवाजा जा चुका है। इसके अलावा उन्हें 2012 में गोल्ड अवॉर्ड्स दिया जा चुका है।

## मालविका मोहनन ने खोले साउथ इंडस्ट्री के राज, कहा- शरीर के इस अंग पर करते हैं जूम

अभिनेत्री मालविका मोहनन साउथ के साथ-साथ बॉलीवुड में भी लगातार काम कर रही हैं और वो दोनों ही इंडस्ट्री में संतुलन बनाए हुए हैं। इसलिए उन्होंने दोनों इंडस्ट्री के बारे में बात की और बताया कि दोनों इंडस्ट्री कितनी वास्तविक हैं और दर्शक महिलाओं को किस तरह से देखते हैं। उन्होंने बॉडी रिवीलिंग और जूम करके शरीर के अंगों को दिखाए जाने पर भी बात की। साथ ही उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर दोनों इंडस्ट्री में उनसे क्या उम्मीद की जाती है, इस बारे में भी खुलकर बात की। **अभिनेत्री ने बताया साउथ और बॉलीवुड में अंतर** हाल ही में हॉटरफ्लाई के साथ बातचीत के दौरान मालविका मोहनन ने बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री में अंतर और दोनों जगह महिलाओं व अभिनेत्रियों को लेकर लोगों की सोच के बारे में बात की। अभिनेत्री ने कहा, 卐हर इंडस्ट्री में महिलाओं के शरीर को लेकर अलग-अलग विचार हैं। अगर मैं थोड़ा वजन बढ़ा लेती हूं और काम के लिए मुंबई आती हूं, तो मेरा मैनेजर कहता है, 'तुमने थोड़ा वजन बढ़ा लिया है? तुमने एक्सरसाइज करना बंद कर दिया है?' वहीं अगर मैं फिट हूं और मेरे एब्स बने हों, फिर मैं चेन्नई में हूँ, तो वे कहेंगे, ओह, तुमने अपना मोटापा कम कर लिया है, जब तुम्हारा मोटापा था तब तुम और भी सुंदर दिखती थी। महिलाओं के शरीर पर इतनी बार टिप्पणी की जाती है कि एक समय पर मैं भ्रमित हो जाती थी, क्या मुझे फिट होना चाहिए, क्या मुझे सुडौल होना चाहिए? हालांकि, अब मैं उस मुकाम पर पहुंच गई हूं जहां मैं कहती हूं, स्वस्थ रहो, फिट रहो।



# विकेट के लिहाज से मुंबई की दूसरी बड़ी जीत, रोहित-सूर्यकुमार ने MI के लिए की सबसे बड़ी साझेदारी

सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा की शानदार साझेदारी की मदद से मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को नौ विकेट से हराया। यह आईपीएल में विकेट के लिहाज से मुंबई की दूसरी बड़ी जीत है। इससे पहले उसने 2008 में वानखेड़े में ही सीएसके को नौ विकेट से हराया था और अब 17 साल बाद मुंबई ने यह कारनामा दोहराया है। मुंबई की आईपीएल में सबसे बड़ी जीत भी सीएसके के खिलाफ रही है। मुंबई ने 2020 में सीएसके को 10 विकेट से हराया था।

**रोहित-सूर्यकुमार की दमदार साझेदारी** चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 176 रन बनाए थे, लेकिन रोहित और सूर्यकुमार ने दूसरे विकेट लिए शतकीय साझेदारी की जिससे मुंबई ने 15.4 ओवर में एक विकेट पर 177 रन बनाकर मैच जीत लिया। मुंबई के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे रोहित 45 गेंदों पर चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 76 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंदों पर छह चौके और पांच छक्के की मदद से नाबाद 68 रन बनाए।

**अंक तालिका का हाल** मुंबई की यह आठ मैचों में चौथी जीत है और वह आठ अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर आ गई है। मुंबई ने गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को पीछे छोड़ दिया है जो सातवें स्थान पर है। वहीं, सीएसके को आठ मैचों में छठी हार का सामना करना पड़ा और वह तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है। गुजरात टाइटंस की टीम शीर्ष पर मौजूद है।

**रोहित ने धवन को पीछे छोड़ा** रोहित ने अपनी शानदार बल्लेबाजी की मदद से शिखर धवन को पीछे छोड़ दिया और वह आईपीएल में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित के इस टूर्नामेंट में अब 6786 रन हो गए हैं। रोहित से आगे अब सिर्फ विराट कोहली हैं जिन्होंने आईपीएल में 8326 रन बनाए हैं। धवन के नाम आईपीएल में 6769 रन हैं और अब वह इस सूची में तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं।

**मुंबई की अच्छी शुरुआत** लक्ष्य का पीछा करते हुए रियान रिक्लेटन और रोहित ने मुंबई को अच्छी शुरुआत दिलाई। इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। मुंबई को पहला झटका रिक्लेटन के रूप में लगा जो 19 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। पिछले कुछ बार की तरह इस मैच में भी मुंबई ने रोहित का इस्तेमाल इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर किया। रोहित पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे थे, लेकिन इस मैच में वह अलग ही लय में नजर आए। रोहित ने इस सीजन का अपना पहला अर्धशतक 33 गेंदों पर जड़ा और फॉर्म में जबरदस्त तरीके से वापसी की। रोहित का साथ सूर्यकुमार ने बखूबी निभाया जो शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी करते दिखे। सूर्यकुमार ने महज 26 गेंदों पर पचासा पूरा किया। इसके बाद तो सूर्यकुमार अलग ही गियर में नजर आए। सूर्यकुमार और रोहित ने 16वां ओवर डालने आए मथीशा पथिराना को आड़े हाथों लिया और तीन छक्के लगाकर मैच अपने नाम कर लिया। सूर्यकुमार और रोहित के बीच दूसरे विकेट के लिए 114 रनों की अविजित साझेदारी हुई। यह आईपीएल के इस सीजन में मुंबई के लिए हुई सबसे बड़ी साझेदारी है। सीएसके के लिए एकमात्र सफलता रवींद्र जडेजा को मिली।

**सीएसके की शुरुआत रही खराब** इससे पहले, मुंबई ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सीएसके ने रवींद्र जडेजा और शिवम दुबे के अर्धशतकों की मदद से मुंबई इंडियंस के सामने 177 रनों का लक्ष्य रखा। जडेजा 35 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 53 रन बनाकर नाबाद लौटे। पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने रचिन रवींद्र का विकेट जल्द गंवा दिया जो नौ गेंदों पर पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अपना पहला मुकाबला खेल रहे आयुष म्हात्रे ने शानदार बल्लेबाजी की और पावरप्ले तक मुंबई को अन्य सफलता हासिल नहीं करने दी। म्हात्रे का साथ शेख राशिद ने भी अच्छी तरह निभाया और सीएसके का स्कोर 50 के पार पहुंचाया। चाहर ने हालांकि म्हात्रे को आउट कर सीएसके को दूसरा झटका दिया जो 15 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 32 रन बनाकर आउट हुए। फिर राशिद भी 20 गेंदों पर 19 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। सीएसके की पारी लड़खड़ा गई थी, लेकिन जडेजा ने शिवम दुबे के साथ मिलकर पारी को संभाला।

**जडेजा-दुबे की पारी ने संभाला** इन दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी की जिससे सीएसके का स्कोर 140 के पार पहुंच गया। दुबे ने इस दौरान 30 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया, लेकिन वह 32 गेंदों पर दो चौकों और चार छक्कों की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए। फिर धोनी आए जो चार रन बनाकर आउट हुए। अंत में जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतक पूरा किया। यह जडेजा का पिछली 14 आईपीएल पारी के बाद पहला पचासा था। जडेजा की ही मदद से सीएसके 175 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रही। जैमी ओवरटन तीन गेंदों पर एक चौके की मदद से चार रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह ने दो विकेट लिए, जबकि दीपक चाहर, अश्विनी कुमार और मिचेल सैंटनर को एक-एक विकेट मिला।

## विराट कोहली के जश्न मनाने के अंदाज से भड़के श्रेयस अय्यर? मैच के बाद गुस्से में दिखे पंजाब के कप्तान

विराट कोहली की शानदार बल्लेबाजी के दम पर रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को मुल्लांपुर में सात विकेट से हरा दिया। हालांकि, इस मैच में ऑनफील्ड एक विवाद भी देखने को मिला। जीत के बाद कोहली ने श्रेयस अय्यर के सामने उन्हें दिखाकर इस तरह से जश्न मनाया कि पंजाब के कप्तान उस पर भड़क गए। हाथ मिलाने के दौरान श्रेयस गुस्से में उनके पास पहुंचे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

**क्या है पूरा मामला?** दरअसल, मैच खत्म होने के बाद कोहली पंजाब के कप्तान श्रेयस को अपने जश्न मनाने के अंदाज से चिढ़ाते दिखे थे। इस पर पॉइंट में खड़े श्रेयस कुछ कहते हुए कोहली की तरफ बढ़े। जब हैंडशेक के लिए दोनों एक दूसरे के करीब पहुंचे तो कोहली तब भी कुछ हंसते हुए कहते दिखे। इस पर ऐसा लगा कि श्रेयस आपत्ति जता रहे हैं। उनके चेहरे पर न तो हंसी थी और वह गंभीर मुद्रा में नजर आए। इससे साफ था कि वह कोहली के जश्न मनाने के अंदाज से खुश नहीं थे। दोनों के बीच गंभीर बातचीत हुई। हालांकि, कोहली तब भी मुस्कुराते हुए दिखे थे।

**कोहली ने मैच में दो और पंजाब के खिलाड़ियों को चिढ़ाया था** यह पहली बार नहीं है जब कोहली के जश्न मनाने के अंदाज ने किसी खिलाड़ी को नाराज किया हो। इससे पहले इसी मैच में पंजाब के नेहल वढेरा के रन आउट होने पर कोहली ने सेंड ऑफ जेस्चर बनाया था। रन चेज के दौरान कोहली ने हरप्रीत बराड़ की भी टांग खींचते दिखे थे। कोहली स्टंप माइक पर यह कहते हुए दिखे कि वह हरप्रीत के कोच को जानते हैं। नेहल ने आरसीबी के खिलाफ पिछले मैच में विनिंग रन बनाए थे, जबकि हरप्रीत के खिलाफ कोहली के आंकड़े अच्छे नहीं रहे हैं।

**मैच में क्या हुआ?** मैच की बात करें तो क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा की उम्दा गेंदबाजी के बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल के अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स को एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से हरा दिया। पंजाब के 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने विराट कोहली (नाबाद 73 रन, 54 गेंद, सात चौके, एक छक्का) और देवदत्त पडिक्कल (61 रन, 35 गेंद, चार छक्के, पांच चौके) के बीच दूसरे विकेट की 103 रन की साझेदारी से सात गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 159 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इससे पहले पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में छह विकेट पर 157 रन बनाए। बाएं हाथ के स्पिनर क्रुणाल (25 रन पर दो विकेट) और लेग स्पिनर सुयश (26 रन पर दो विकेट) की फिरकी के सामने पंजाब की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और उसका कोई बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाया।

# शर्मनाक! भांजे के टच में आई मामी, रात को बुलाया घर, संबंध बनाए, फिर जो...

**नेशनल डेस्क।** उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है जिसमें एक महिला ने अपने भांजे के साथ मिलकर अपने ही पति की नृशंस हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को सूटकेस में भरकर करीब 50 किलोमीटर दूर एक सुनसान खेत में फेंक दिया गया। पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया है, जबकि उसका प्रेमी और इस वारदात का दूसरा आरोपी फरार है।

हत्या की खौफनाक साजिश

यह मामला देवरिया जिले के तरकुलवा थाना क्षेत्र के पकड़ी छापर पटखौली गांव का है। रविवार की दोपहर खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों को एक बड़ा सूटकेस पड़ा हुआ दिखा। जब उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी तो मौके पर पहुंची पुलिस ने सूटकेस खोला तो अंदर एक युवक का शव मिला। शव की पहचान नौशाद के रूप में हुई जो पास के भटौली गांव (मईल थाना क्षेत्र) का रहने वाला था।

सूटकेस में कुछ दस्तावेज मिलने के बाद शव की पहचान नौशाद के रूप में हुई। नौशाद सऊदी अरब में नौकरी करता था और कुछ दिन पहले ही अपने गांव लौटा था। वहीं पुलिस को शुरू से ही नौशाद की पत्नी पर शक था। जब महिला को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने हत्या की पूरी साजिश कबूल कर ली।

**पति बना बाधा, इसलिए रच दी हत्या की साजिश**

पुलिस पूछताछ में महिला ने बताया कि उसका अपने ही रिश्ते के भांजे से लंबे समय से अवैध संबंध था लेकिन पति नौशाद के विदेश से लौटने के बाद वह इन रिश्तों में बाधा बनने लगा। इससे नाराज होकर महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर शनिवार रात को नौशाद की हत्या कर दी।

हत्या के लिए उन्होंने एक धारदार हथियार का इस्तेमाल किया। वारदात के बाद शव को एक बड़े सूटकेस में बंद किया और उसे 50 किलोमीटर दूर एक खेत में ले जाकर फेंक दिया।

**पुलिस का बयान और कार्रवाई**

देवरिया के पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर और अपर पुलिस अधीक्षकअरविंद कुमार वर्मा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया धारदार हथियार भी बरामद कर लिया है। फिलहाल महिला को हिरासत में ले लिया गया है और प्रेमी की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

# लीक हुआ अमेरिका का सैन्य प्लान, रक्षा मंत्री ने पत्नी और भाई को दिया गुप्त दस्तावेज़!

**नेशनल डेस्क.** अमेरिका की हूती विद्रोहियों पर हमले की योजना एक बार फिर लीक हो गई है और इस बार उंगलियां सीधे ट्रंप कैबिनेट की ओर उठ रही हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के रक्षा मंत्री, पीट हेगसेथ पर यह आरोप है कि उन्होंने यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य हमले की संवेदनशील जानकारी *Signal* नामक मैसेजिंग ऐप पर लीक कर दी। बताया जा रहा है कि हेगसेथ ने यह जानकारी एक निजी सिग्नल ग्रुप में साझा की थी, जिसमें उनकी पत्नी जेनिफर राउचेट हेगसेथ, भाई फिल हेगसेथ और निजी वकील टिम पार्लटोर सहित करीब एक दर्जन लोग शामिल थे। इस ग्रुप का नाम *Defense Team Huddle* था और इसे हेगसेथ ने जनवरी 2025 में बनाया था। हैरानी की बात यह है कि इस ग्रुप के लिए उन्होंने सरकारी डिवाइस की बजाय अपना निजी फोन इस्तेमाल किया।

यह मामला पहले भी तब सामने आया था जब मार्च में *The Atlantic* के संपादक जेफ्री गोल्डबर्ग को गलती से इस सिग्नल ग्रुप में जोड़ा गया था। उन्होंने बाद में बताया कि वह उस वक्त यह नहीं जानते थे कि वह ट्रंप के प्रशासन के उच्च अधिकारियों के साथ एक सैन्य योजना पर चर्चा कर रहे थे। गोल्डबर्ग के अनुसार, उन्हें हूती विद्रोहियों पर हमले की जानकारी दो घंटे पहले मिल गई थी, जब रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इसे ग्रुप में साझा किया था।

ग्रुप में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा मंत्री मार्को रुबियो, ह्न माइक वॉल्ट्ज और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। इस घटना पर ट्रंप ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और *The Atlantic* पर तंज कसते हुए कहा कि मैं उस मैगजीन का फैन नहीं हूं।

यह पूरा मामला अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है, जहां सैन्य योजनाएं अब निजी चैट ग्रुप्स में लीक हो रही हैं।

# सेक्शुअल वर्ल्ड टूर पर निकली पोर्नस्टार ने 40 देशों के पुरुषों संग बनाए संबंध, बताया कौन है बेडरूम चैंपियन

**इंटरनेशनल डेस्क:** वयस्क मनोरंजन जगत से जुड़ी एक चर्चित हस्ती कोको बे इन दिनों अपने अनोखे मिशन को लेकर सुर्खियों में हैं। कोको का लक्ष्य है कि वह दुनिया के सभी 195 देशों के पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाकर उनका अनुभव साझा कर सके। अब तक वह 40 से अधिक देशों के पुरुषों के साथ संबंध बना चुकी हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है।

अपने इस मिशन को वह फ्लैग कलेक्शन कहती हैं, जहां वह उन देशों के झंडों को इकट्ठा कर रही हैं, जिनके नागरिकों के साथ उन्होंने यौन संबंध बनाए हैं। कोको स्पष्ट करती हैं कि वह केवल उस देश को मानती हैं, जो किसी व्यक्ति के पासपोर्ट पर दर्ज हो, न कि जहां वह उस समय रह रहा हो।

**कौन-कौन से देश शामिल हैं?**

कोको के अनुसार, अब तक उनके अनुभव में अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, इज़राइल, ऑस्ट्रेलिया, हैती, एल साल्वाडोर, हॉलैंड, नॉर्वे, ग्रीस, फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी, डेनमार्क, आयरलैंड, बेलीज, जिबूती, निकारागुआ, इटली, ग्वाटेमाला, स्विट्ज़रलैंड, अर्जेंटीना, होंडुरास, कोस्टा रिका, थाईलैंड, रूस, कोलंबिया, अल्बानिया, ब्राज़ील, भारत, स्पेन, पेरू, लेबनान, अल्जीरिया, क्रोएशिया, सर्बिया, आर्मेनिया, स्कॉटलैंड, यूक्रेन और न्यूजीलैंड जैसे देश शामिल हैं।

कौन सबसे बेहतर और सबसे कमजोर रहा?

कोको ने इस सवाल का भी खुलकर जवाब दिया कि यौन अनुभव के मामले में कौन सी राष्ट्रीयताएं सबसे यादा प्रभावशाली और कौन सी अपेक्षाओं से कमतर रहीं।

सबसे बेहतर अनुभव- कोको के अनुसार, लैटिन अमेरिकी देशों के पुरुष बिस्तर में सबसे यादा उत्साही और ऊर्जावान होते हैं। विशेष रूप से ब्राज़ीलियनों के बारे में उन्होंने कहा कि वे मौज-मस्ती के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और सेक्स को पूरी तरह से एंजॉय करते हैं।

अप्रत्याशित रूप से प्रयोगात्मक- कोको ने बताया कि रूढ़िवादी संस्कृतियों से आने वाले कई पुरुष सेक्स के मामले में काफी प्रयोगशील होते हैं। उन्होंने अरब और भारतीय पुरुषों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों से जुड़े लोग कई बार यौन क्रियाओं को विविध रूप में अपनाते हैं।

सबसे कम प्रभावशाली अनुभव- जहां तक सबसे खराब अनुभव की बात है, कोको ने जर्मनी के पुरुषों को सबसे कम रोचक बताया। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि जर्मन पुरुष पार्टनर को खुश करने के लिए इच्छुक होते हैं और फीडबैक भी मांगते हैं, जो उनकी सकारात्मक विशेषता है।

**ऑस्ट्रेलियाई पुरुषों पर कोको की टिप्पणी**

ऑस्ट्रेलिया के एक रेडियो शो काइल और जैकी ओ पर बातचीत के दौरान कोको ने ऑस्ट्रेलियाई पुरुषों को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि इन पुरुषों को थोड़ा और प्रयास करने की जरूरत है, और उन्हें अपना व्यक्तिगत स्वच्छता स्तर सुधारना चाहिए, विशेष रूप से हाथ और नाखूनों की सफाई को लेकर।

कोको ने कहा, कारीगरों के प्रति मेरा आकर्षण है, लेकिन कृपया अपने नाखूनों के पीछे साफ-सफाई का ध्यान दें।

**सामाजिक बहस और व्यक्तिगत स्वतंत्रता**

कोको का यह मिशन सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है। जहां कुछ लोग इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता और यौन स्वीकृति का प्रतीक मानते हैं, वहीं कुछ इसे विवादित और अनावश्यक मानते हैं। बहरहाल, कोको बे अपने अनुभवों को बिना झिझक साझा कर रही हैं और अपने अनोखे यौन विश्व भ्रमण को आगे बढ़ा रही हैं।

# 'ग्रीन पाकिस्तान' परियोजना पर बवाल, सिंध में हिदू राज्य मंत्री पर हमला

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सिंचाई के लिए जरूरी नदियों के बहाव के कम होने की आशंका जताते हुए नयी नहरों की योजना का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों ने एक हिंदू राज्य मंत्री पर हमला कर दिया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार में धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री खील दास कोहिस्तानी शनिवार को प्रांत के थट्टा जिले से गुजर रहे थे, तभी उनके काफिले पर टमाटर और आलू फेंके गए। अधिकारियों ने बताया कि हमले में कोहिस्तानी को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस बीच, पुलिस ने 'सिंध तरक्की पसंद% पार्टी के नेता सैयद जलाल शाह को कोहिस्तानी के काफिले पर हमले में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। प्राथमिकी में उनकी पार्टी के कई अन्य कार्यकर्ताओं के नाम भी दर्ज हैं।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कोहिस्तानी पर हुए हमले की कड़ी निंदा की और उन्हें घटना की गहन जांच का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''जन प्रतिनिधियों पर हमला अस्वीकार्य है। घटना में शामिल लोगों को कड़ी सजा दी जाएगी।%% कोहिस्तानी सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सदस्य हैं। प्रदर्शनकारियों ने पार्टी की संघीय सरकार के खिलाफ नारे भी लगाए। संघीय सूचना मंत्री अत्ता तरार ने भी घटना का संज्ञान लिया और इसे हमला करार किया। तरार ने सिंध के पुलिस महानिरीक्षक गुलाम नबी मेमन से घटना का ब्योरा तथा संघीय गृह सचिव से रिपोर्ट मांगी है। सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह ने भी इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। उन्होंने हैदराबाद क्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक को हमले में शामिल व्यक्तियों को तुरंत गिरफ्तार करके रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। नेशनल असेंबली की वेबसाइट पर मौजूद निजी जानकारी के अनुसार, कोहिस्तानी सिंध के जमशोरो जिले से संबंध रखते हैं और पहली बार 2018 में पीएमएल-एन के टिकट पर संसद के सदस्य चुने गए थे। पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद, वह 2024 में फिर चुनाव जीते और उन्हें मंत्री बनाया गया। संघीय सरकार ने घोषणा की है कि ग्रीन पाकिस्तान पहल के तहत चोलिस्तान क्षेत्र में भूमि की सिंचाई के लिए पंजाब प्रांत में छह नहरों के निर्माण किया जाएगा है। परियोजना को सेना, संघीय सरकार और पंजाब प्रांत के प्रशासन का समर्थन प्राप्त है। हालांकि, सिंध में विभिन्न दल और राष्ट्रवादी समूह इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि नहरों के कारण पानी का बहाव कम हो जाएगा और प्रांत में सिंचाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रदर्शनकारी प्रस्तावित नहरों का विरोध कर रहे हैं।

## व्यापार

# भारत को इस साल अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पूरा होने की उम्मीद : सीतारमण

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को इस शरद ऋतु तक भारत का अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का पहला भाग सकारात्मक रूप से संपन्न होने की उम्मीद जताई है। वह दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेने के लिए अमेरिका के दौरे पर हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका के साथ बातचीत का उद्देश्य केवल पारस्परिक टैरिफ संबंधी मामला नहीं है, बल्कि यह हमारे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के हित में है, जिसके साथ हमें समझौता करने की जरूरत है। सीतारमण ने कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को में इंडिया कम्युनिटी सेंटर में आयोजित एक सामुदायिक सभा में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की।

सीतारमण ने एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ गया, लेकिन 2021 में हमने स्पष्ट संकेत दिया कि हम अपने राजकोषीय घाटे को कैसे प्रबंधित करना चाहते हैं।

हमने साल-दर-साल लक्ष्य निर्धारित किए और 2026 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 फीसदी से नीचे लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम हर साल बिना चूके इसी का पालन कर रहे हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पांच दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर हैं, जहां वह अंतरराष्?ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वसंतकालीन बैठकों तथा जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में शामिल होंगी। इसके अलावा उनका अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट से भी मिलने का कार्यक्रम है तथा संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों से भी बात करने की उम्मीद है।

# सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

**नई दिल्ली।** सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। आज की कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये से लेकर 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,440 रुपये से लेकर 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

**नई दिल्ली।** ग्लोबल मार्केट से आज भारतीय बाजारों के लिए मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। गुड फ्राइडे की छुट्टी के पहले अमेरिकी बाजार दबाव में कारोबार करते हुए नजर आए थे। छुट्टियां खत्म होने के बाद आज डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजारों में छुट्टियों के पहले के सत्र में नरमी बनी रही। डाउ जॉन्स 500 अंक से अधिक की गिरावट का शिकार हो गया था। इसी तरह नैस्डेक ने भी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 16,286.45 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। हालांकि एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 5,282.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 285.36 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38,856.87 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। हॉन्ग कोंग स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से हैंग सेंग इंडेक्स में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569